दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -38 जबलपुर, शनिवार 08 मार्च 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

गुजरात के सूरत में बोले प्रधानमंत्री, हर गरीब की गारंटी लेगा मोदी

जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे

नई दिल्ली-(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सूरत खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ किया और पात्र लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत लाभ वितरित किए। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस पहल के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत लगभग 2 लाख पात्र लाभार्थियों को लाभ वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य व्यापक खाद्य सुरक्षा कवरेज सुनिश्चित करना है, जिससे वंचितों को आवश्यक खाद्यान्न उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिलता है।

मोदी ने इस दौरान कहा कि सूरत अनेक मामलों में गुजरात का, देश का एक लीडिंग शहर है। सूरत आज गरीब को, वचिं?त को भोजन और पोषण की सुरक्षा देने में आगे निकल रहा है। यहां आज जो खाद्य सुरक्षा, परिपूर्णता अभियान चलाया गया है, ये दूसरे जि?लों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। ये परिपूर्णता अभियान सुनिश्चित करता है- न कोई भेदभाव, न कोई छूटे, न कोई रूठे और न कोई किसी को ठगे।

ये तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की पवित्र भावना को आगे बढ़ाता है। जब सरकार ही लाभार्थी के दरवाजे पर जा रही है, तो कोई छूटेगा कैसे... और जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे। जब सोच ये हो कि हमें सब तक लाभ पहुंचाना है, तो ठगने वाले दूर भाग जाते हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में पौष्टिक भोजन की बड़ी भूमिका है। हमारा लक्ष्य देश के हर परिवार को पर्याप्त पोषण देने का है ताकि कुपोषण और एनीमिया जैसी बड़ी समस्याओं से देश मुक्त हो सके। उन्होंने कहा कि आज, दुनिया भर के कुछ सबसे बड़े संगठन इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्वच्छ भारत अभियान ने गांवों में बीमारियों को कम करने में मदद की है। हर घर जल अभियान, जो स्वच्छ पानी तक पहुंच सुनिश्चित करता है, ने भी बीमारियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि पहले एक जगह का राशन कार्ड दूसरी जगह नहीं चलता था। हमने इस समस्या का समाधान किया। हमने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। अब राशन कार्ड चाहे कहीं का भी हो, लाभार्थी को उसका फायदा देश के हर शहर में मिलता है। मोदी ने कहा कि बीते दशक में पूरे देश में हमने गरीब को सशक्त करने के लिए मिशन मोड पर काम किया। गरीब के इर्द गिर्द एक सुरक्षा कवच बनाया गया ताकि उसे किसी के सामने भी हाथ फैलाने की नौबत न आए। पक्का घर हो, शौचालय हो, गैस कनेक्शन हो, नल कनेक्शन हो... इससे गरीबों को नया आत्मविश्वास मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीमा का एक सुरक्षा कवच गरीब परिवार को दिया गया। पहली बार करीब 60 करोड़ भारतीयों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया। इसके अलावा हमारी सरकार ने गरीब को, निम्न मध्यम वर्ग को बीमा का सुरक्षा कवच भी दिया। आज देश में 36 करोड़ से ज्यादा लोग सरकारी बीमा योजनाओं से जुड़े हैं और अब तक 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा क्लेम राशि के रूप में इन परिवारों को दिया जा चुका है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि हर गरीब की गारंटी मोदी लेगा।

मोदी ने कहा कि मिडिल क्लास का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है।

छतरपुर में थाना प्रभारी ने खुद को सर्विस रिवाल्वर से मारी गोली, घर में मिला शव

छतरपुर. (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के छतरपुर के सिटी कोतवाली थाने में पदस्थ टीआई (थाना प्रभारी) ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली है. टीआई का शव उनके ही निवास पर मिला है. टीआई के खुदकुशी करने की खबर से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और तुरंत ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं. टीआई ने आत्महत्या क्यों की फिलहाल इसके बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है. छतरपुर के सिटी कोतवाली टीआई अरविंद कुजूर ने गुरुवार को खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली. टीआई अरविंद कुजूर शहर के पेप्टेक टाउन में रहते थे. बताया जा रहा है कि टीआई अरविंद कुजूर दिनभर से थाने नहीं आए थे और शाम को उनके खुदकुशी करने की सूचना मिली. घटना का पता चलते ही एसपी अगम जैन व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विधायक ललिता यादव भी मौके पर पहुंची.

पता चला है कि टीआई अरविंद कुजूर लंबे समय से छतरपुर में पदस्थ थे और अपने परिवार के साथ पप्टेक टाउन में रहते थे. घटना के वक्त परिवार घर पर था या नहीं अभी इसका पता नहीं चल पाया है और न ही आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो पाया है. टीआई के खुदकुशी करने से हड़कंप मच गया.

महिलाओं से किया वादा पूरा करेगी बीजेपी सरकार, दिल्लीवालों को आज मिलेंगी दो सौगातें

नई दिल्ली-(आरएनएस)। दिल्ली सरकार शुक्रवार दोपहर को दो बड़ी कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करने वाली है, जिसमें 'महिला समृद्धि योजना' और होली और दिवाली के दौरान मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना शामिल है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दिल्ली कैबिनेट कल सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में दोनों योजनाओं को मंजूरी देगी।

संभल सीओ का बड़ा बयान

एक साल में 52 जुमे होते हैं और होली एक दिन, रंग से दिक्कत हो तो घर से ना निकलें

नई दिल्ली-(आरएनएस)। होली के त्यौहार के मद्देनजर गुरुवार को संभल कोतवाली थाने में शांति समिति की बैठक हुई। होली के त्योहार पर रमजान के पवित्र महीने में जुमे की नमाज भी हो रही है। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए संभल के सीओ अनुज चौधरी ने सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि होली के त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए पिछले एक महीने से विभिन्न स्तरों पर शांति समिति की बैठकें चल रही हैं।

अनुज चौधरी ने कहा कि होली एक ऐसा त्यौहार है जो साल में एक बार आता है, जबकि जुमे की नमाज़ साल में 52 बार होती है। अगर किसी को होली के रंगों से असहजता महसूस होती है, तो उसे उस दिन घर के अंदर ही रहना चाहिए। बाहर निकलने वालों को खुले दिमाग से सोचना चाहिए, क्योंकि त्योहार मिलजुल कर मनाए जाने चाहिए। चौधरी ने दोनों समुदायों से एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह मुसलमान ईद का बेसब्री से इंतजार करते हैं, उसी तरह हिंदू होली का इंतजार करते हैं। लोग रंग लगाकर, मिठाइयां बांटकर और खुशियां बांटकर जश्न मनाते हैं। इसी तरह ईद पर लोग खास व्यंजन बनाते हैं और एक-दूसरे के गले मिलकर जश्न मनाते हैं। दोनों त्योहारों का सार एकजुटता और आपसी सम्मान है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग इसमें भाग नहीं लेना चाहते हैं, उन पर जबरन रंग न लगाया जाए। उन्होंने कहा, यह दोनों समुदायों पर लागू होता है। अगर कोई रंग नहीं लगाना चाहता है, तो उसे मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा।

गौ हत्यारों ने काट डाला गर्भस्थ जिंदा गाय को, गौ रक्षकों ने जान पर खेलकर पकड़ा दो आरोपियों को

दमोह (आरएनएस)। गोवंश तस्करी और गोवंश हत्याओं की घटनाओं को लेकर चर्चित जिले में शुक्रवार तड़के एक गर्भवती गाय को जिंदा काटे जाने का मामला सामने आया। गौ हत्यारों द्वारा एक मकान में गाय को काटा जा रहा था और इसकी सूचना पर मौके पर पहुंचे गौ रक्षकों ने अपनी जान पर खेल कर गाय को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपियों ने गौ रक्षकों पर हमला करते हुए उन पर देसी कट्टे से फायर भी किया और मौके से भागने के का प्रयास करने लगे। इस झड़प के बीच गौ रक्षकों ने तीन आरोपियों को पकड़ लिया लेकिन अन्य आरोपी भागने में कामयाब हुए। मामला सामने आने के बाद हिंदूवादी संगठनों सहित आमजनों में आक्रोश की लहर दौड़ गई और बंद की घोषणा के साथ ही लोग इस घटना पर विरोध जताते हुए सड़कों पर उतर आए। हालातो को देखकर पुलिस प्रशासन ने भी आनन फानन में कार्यवाही करते हुए घटनास्थल के आसपास के अतिक्रमण को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया।

सूचना पर पहुंचे गौ रक्षक

जानकारी अनुसार हिंदूवादी संगठनों और गौ रक्षकों को शुक्रवार तड़के सुबह करीब 4ः30 बजे यह सूचना मिली की कुछ लोग एक गाय को काटने के लिए ले जा रहे हैं। इसकी सूचना तत्काल ही पुलिस प्रशासन को दिए जाने के बाद करीब एक दर्जन गौ रक्षक जिसमें अजय खत्री, सत्यम चौरसिया, सनी, आयुष, मोहित राज, अभिषेक, गोलू, रुद्र, अभि,निखिल ठाकुर, श्रवण पाठक, दीपक नेमा, रोहित, लकी, लोकेश, पवन रजक शामिल थे।

कोतवाली थाना क्षेत्र के सीताबावड़ी क्षेत्र पहुंचे और उनके द्वारा सूचना की पुष्टि की जाने लगे। इस दौरान वहां पर बने एक मकान में उन्हें कुछ हलचल प्रतीत हुई। इसमें बाहर से ताला डाला हुआ था लेकिन दरवाजा का पल्ला खुला हुआ था। गौ रक्षक जब उक्त मकान में पहुंचे तो बाकी हालत देखकर वह सकते में आ गए।

यहां पर कुछ लोग एक गाय को काट रहे थे और उनके द्वारा उसकी खाल और पैर को काटा जा चुका था और सारा कमरा खून से भरा हुआ था।

आरोपियों ने कर दिया हमला

गौ रक्षकों को देखते ही आरोपियों ने उन पर एकाएक हमला कर दिया। बताया जा रहा था कि मकान के बाहरी हिस्से में 4 लोग मकान के अंदर 4 लोग उस समय मौजूद थे। वहीं कुछ अन्य लोग मकान के आसपास भी खड़े हुए थे। मकान के अंदर मौजूद आरोपियों ने हथियारों से हमला करते हुए देसी कट्टे से फायर इस दौरान किए और और वह वहां से भागने का प्रयास करने लगे। इस दौरान गौ रक्षक दो आरोपियों को मकान के अंदर पकड़ने में सफल हो गए और एक अन्य आरोपी भाग कर एक दूसरे मकान में छिप गया था, जिसे भी बाद में उनके द्वारा पकड़ लिया गया। लेकिन शेष आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से भागने में कामयाब हो गए। देसी कट्टे से हुए फायर और झड़प के चलते गौ रक्षक लोकेश, आयुष,पवन और लकी घायल हुए हैं।

हालातों को देख हरकत में आई पुलिस

इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की तत्काल हरकत में आई और मौके पर पुलिस बल पहुंचा। उनके द्वारा हिंदूवादी संगठनों के द्वारा पकड़े गए आरोपियों को हिरासत में लेते हुए मौका स्थल पर पड़े अवशेषों को पशु चिकित्सक के पास चिकित्सीय परीक्षण के लिए ले जाया गया जहां मृत गाय के गर्भवती होने की पुष्टि हुई।

जीआईएस-भोपाल से मध्यप्रदेश बन रहा हेल्थकेयर, फार्मा और मेडिकल डिवाइसेज में निवेश का नया केंद्र

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की अनुकूल नीतियां, विकसित अधोसंरचना और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी सुविधाएं राज्य को दवा कंपनियों और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं के लिए फेवरेट इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बना रही हैं। जीआईएस-भोपाल में हेल्थकेयर, फार्मा और मेडिटेक क्षेत्र की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मध्यप्रदेश चिकित्सा उपकरण निर्माण का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। उज्जैन में विकसित हो रहे 75 एकड़ के मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल पार्क को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैश्विक निवेशकों के लिए 'बेस्ट डेस्टिनेशन' करार दिया। जीआईएस-भोपाल में आयोजित 'मॉलिक्यूल्स-टू-मशीन (हेल्थकेयर, फार्मा, मेडिटेक)' सत्र के दौरान, विशेषज्ञों ने इस अवधारणा पर चर्चा करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश दवा निर्माण से लेकर चिकित्सा उपकरण उत्पादन तक पूरे हेल्थकेयर इको सिस्टम को मजबूत कर रहा है।

छत्तीसगढ़- भीषण सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, ट्रक से भिड़ी अनियंत्रित कार

रायपुर.(आरएनएस)। राजधानी में बेकाबू रफ्तार ने अलग-अलग घटना में 6 लोगों की जान ले ली. मंदिर हसौद इलाके में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर के ऊपर से दूसरे रोड पर चली गई और सामने से आ रही ट्रक से जा भिड़ी. इस भीषण हादसे में कार सवार 5 युवकों की मौत हो गई. कार की रफ्तार बहुत अधिक थी. मंदिर हसौद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. सभी एक्सयूवी 300 सीजी 04 एनओ 5063 में सवार थे. मंदिरहसौद पार करके दोपहर 1.44 बजे जैसे ही उमरिया के मयूर स्कूल के पास पहुंचे थे, उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क डिवाइडर पर चढ़ गई और महासमुंद से रायपुर आने वाली दूसरी रोड पर पहुंच गई और उस रोड पर सामने से आ रही ट्रक एमएच 40 सीएम 9637 से जा टकराई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए. पांचों युवक कार में ही दब गए. सभी की मौके पर ही मौत हो गई.

घटना की सूचना मिलते ही मंदिर हसौद पुलिस मौके पर पहुंची. कार को क्रेन से हटाया गया. मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. सभी मृतकों की उम्र 30 से 40 के बीच की है. सभी शेड बनाने का काम करते हैं. तुमगांव के करणी कृपा कंपनी में शेड बनाने जा रहे थे.

कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार की रफ्तार अधिक थी. अचानक कार के आगे के बाएं साइड का टॉयर फट गया. इससे कार अनियंत्रित हो गई. फिर डिवाइडर के ऊपर से गुजरते हुए दूसरी रोड पर आकर ट्रक से जा भिड़ी थी. हालांकि इसकी पुष्टि मैकेनिकल जांच के बाद होगी. घटना स्थल नेशनल हाईवे 53 की है. रायपुर से तुमगांव और तुमगांव से रायपुर की ओर आने वाली दोनों सड़कों के बीच बने डिवाइडर की हाइट काफी कम है. यही वजह है कि तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होते ही डिवाइडर पर चढ़ गई. इसके बाद उसे पार करके तुमगांव से रायपुर आने वाली रोड के विपरीत दिशा में आ गई. उसी दौरान दुर्गापुर से नागपुर जा रही ट्रक से जा भिड़ी.

बैतूल की कोयला खदान में बड़ा हादसा, तीन की मौत, कई मजदूर दबे, रेस्क्यू जारी

बैतूल. (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के डबलूसीएल की छतरपुर-1 कोयला खदान में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया. खदान में एक फेज की स्लैब अचानक गिरने से कई मजदूर मलबे में दब गए. हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है. सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम, एसडीआरएफ और पुलिस का दल तुरंत मौके पर पहुंच गया है. रेस्क्यू टीम ने खदान के अंदर घुसकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है. मलबे में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है. बैतूल एसपी ने घटना की पुष्टि की है और वे खुद मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं. फिलहाल बचाव कार्य जारी है और प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है. हादसे के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है,

गोविंदराम सेकसरिया अर्थ वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय में स्नेह सम्मेलन समारोह का आयोजन किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गोविंदराम सेकसरिया अर्थ वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय में आज दिनांक 7/3/2025दिन शुक्रवार को बार्षिक स्नेह सम्मेलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अनिल सिंह कुशवाहा आई पी एस, पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर जोन, विशिष्ट अतिथि डॉ अमरेन्द्र पाण्डेय प्रभारी सदस्य शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश शाखा जबलपुर तथा श्रीमती प्रीति धर्माधिकारी रहे।सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलित कर मां वाग्देवी सरस्वती कि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियो का स्वागत शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर किया गया।मुख्य अतिथि जी ने कहा किआज के समय में दो महत्वपूर्ण मुद्दे साइबर सुरक्षा और जेंडर इक्विलिटी है साइबर अपराध का मुख्य कारण है लालच और डर व अज्ञानता, वास्तव में डिजिटल अरेस्ट नाम की कोई वस्तु है ही नहीं, उन्होंने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा कर अपराधियों की मदद न करें।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नरेशचंद्र त्रिपाठीजी ने महाविद्यालय की गौरवशाली परंपरा इतिहास और सामाजिक योगदान तथा उपलब्धियपर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ अमरेन्द्र पाण्डेय जी ने कहा कि भारतीय समाज और परम्पराओं को लेकर हमारा महाविद्यालय चल रहा है और सदैव हम नवीनतम प्रणालियों को महाविद्यालय में शामिल करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ ज्ञानेंद्र त्रिपाठी जी पुस्तक रिसर्च मैथडोलाजी का विमोचन किया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ शिव कुमार व्यास जी तथा आभार प्रदर्शन प्रभारी बार्षिक स्नेह सम्मेलन डॉ सुनील कुमार देशपांडे जी ने कियाद्वितीय चरण में अनेक विद्यार्थियों ने अपनी अपनी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति दी इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण कर्मचारी गण और बहुत बड़ी संख्या में विद्यार्थी गण उपस्थित रहेद्वितीय चरण में अनेक विद्यार्थियों ने अपनी अपनी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति दी इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण कर्मचारी गण और बहुत बड़ी संख्या में विद्यार्थी गण उपस्थित रहे

जयराम रमेश ने कही ये बड़ी बात

भाषा विवाद और परिसीमन मुद्दे पर कांग्रेस ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। भाषा नीति और परिसीमन मुद्दे पर कांग्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि किसी भी राज्य को परिवार नियोजन में उसकी सफलता के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। मेरा मतलब है, केरल और तमिलनाडु - दक्षिण भारतीय राज्य भारत में परिवार नियोजन में सफलता पाने वाले पहले राज्य थे। पहली सफलता केरल में मिली थी। यह 1988 में प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर पर पहुंच गया। तमिलनाडु 1993 में इस स्तर पर पहुंच गया। उसके बाद, हमारे पास अविभाजित आंध्र था, हमारे पास कर्नाटक था, और फिर, निश्चित रूप से, अन्य राज्यों ने इसका अनुसरण किया। जयराम रमेश ने आगे कहा कि जिन राज्यों ने परिवार नियोजन को गंभीरता से नहीं लिया है, उन्हें सीटों में वृद्धि के मामले में अनुपातहीन रूप से पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषाई साम्राज्यवाद भी स्वीकार्य नहीं है। हर किसी को अपनी मातृभाषा में सीखने का अधिकार है। किसी पर भी कोई भाषा जबरन नहीं थोपी जानी चाहिए। हर राज्य में भाषाई अल्पसंख्यक हैं। हम सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं। हमें सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। और हां, संविधान की अनुसूची 8 में 22 आधिकारिक भाषाएं हैं, लेकिन यहां बहुत सारी भाषाएं हैं। भारत एक बहुभाषी देश है। हमारी एकता हमारी विविधता से आती है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आम तौर पर बजट सत्र काफी सुव्यवस्थित सत्र होता है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी गोसलपुर राजेन्द्र मर्सकोले ने बताया कि विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि खिन्नी रोड़ में घोघरा घाट से एक टेक्टर ट्राली में चोरी की अवैध रेत लेकर ट्रेक्टर चालक गोसलपुर तरफआ रहा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई घोराकोनी तिराहा के पास बिना नम्बर का पावर टेक कम्पनी का टेक्टर जिसमें ट्राली लगी थी जिसमें रेत भरी हुयी थी जिसे रोककर चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम राजकुमार भुमिया उम्र 27 वर्ष निवासी देवरी ताला गोसलपुर बताया तथा टेक्टर मालिक का नाम विकास सिंह निवासी कुकरई बताया

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हितकारिणी महिला महाविद्यालय में महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट जयेश राठौर जी मंत्री हितकारी सभा विद्या परिषद कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ भावना वर्मा प्राचार्य हितकारिणी विधि महाविद्यालय रही इस अवसर पर योग से कैसे महिला स्वस्थ रह सकते हैं इस पर पर चर्चा एवं व्याख्यान का भी आयोजन किया गया तथा 10 दिवसीय निशुल्क योग शिविर महिला दिवस से आयोजित करने की घोषणा की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग से कैसे अपने कामों को सरलता से किया जा सकता है

इस विषय पर इंजीनियर शोमिल जैन द्वारा प्रकाश डाला गया कार्यक्रम में श्रीमती बंटी अग्रवाल अध्यक्ष इनर व्हील क्लब जबलपुर साउथ श्रीमती नंदनी अग्रवाल श्रीमती शशि अग्रवाल श्रीमती दिव्या अग्रवाल एवं श्रीमती नैनी आनंद जी को उनके द्वारा किए जा रहे हैं सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से कार्य हेतु सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि एडवोकेट राठौर जी ने महिलाओं के सम्मान में अपने विचार व्यक्त की उन्होंने कहा कि भारत देश में हमेशा से ही नारियों का सम्मान किया जाता रहा है इसी अवधारणा को मानते हुए सभा द्वारा भी हमेशा हर क्षेत्र में लड़कियों को एवं महिलाओं को कैसे उचित स्थान मिले इसी दिशा में विभिन्न संस्थानों द्वारा कार्य किया जा रहा है डॉ नीलेश पांडे ने स्वागत भाषण दिया एवं कहा कि हर वर्ष महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय द्वारा आयोजन किया जाता है इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी दिनेश सिंह ठाकुर ने योग पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि योग के विभिन्न आसनों प्राणायाम से कैसे महिलाओं को स्वस्थ रखा जा सकता है इस अवसर पर महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ पूर्णिमा तिवारी सहित समस्त प्राध्यापक और योग से जुड़ी हुई विभिन्न संस्थाओं की महिलाएं एवं क्षत्रिय महासभा की महिलाएं पदाधिकारी भी उपस्थित रही कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ अभिलाषा मिश्रा ने किया एवं आधार प्रदर्शन डॉ अंशुल मिश्रा ने किया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष पर जबलपुर मंडल में महिलाओं को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय जबलपुर के सभागार में दिनांक 07 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च) के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । उक्त अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा द्वारा मंडल के विभिन्न विभागों की 33 महिला कर्मचारियों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर आयोजित क्विज में विजेता महिला कर्मचारियों को गिफ्ट देकर पुरस्कृत किया गया । मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री सुबोध विश्वकर्मा द्वारा महिला सशक्तिकरण , उनके अधिकार विषय पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर उपस्थित महिला कर्मचारियों ने महिला सशक्तिकरण विषय पर परिचर्चा में भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए । उक्त कार्यक्रम का संचालन मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक श्री रविंद्र त्रिपाठी ने किया।

डाक टिकिट की प्रदर्शनी इस अवसर पर अनिल मित्तल जी द्वारा महिलाओं के लिए जारी डाक टिकटों की प्रदर्शनी भी लगाई गई

आज 7 अप्रैल को रहेगा बारहवी का क्रॉप प्रोडक्शन /स्टील लाइफ /शरीर रचना क्रिया विज्ञान विषय का पेपर

दसवीं के संस्कृत विषय के पेपर मे 583 बच्चें रहे अनुपस्थित, कोई भी नक़ल प्रकरण नहीं बना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर जिला मे माशिमं के द्वारा आयोजित कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा का संस्कृत विषय का पेपर हुआ ।जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी ने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केन्द्रो मे शांतिपूर्वक परीक्षा आयोजित हुई, जिले मे कही भी कोई नक़ल प्रकरण नहीं बना हैं। संस्कृत प्रश्नपत्र मे शहर के 374 परीक्षार्थी एवं ग्रामीण क्षेत्र के 209 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार शहर एवं ग्रामीण को मिलाकर कुल 583 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार कक्षा बारहवी के ड्राइंग एवं डिज़ाइन के पेपर मे कुल 14 परीक्षार्थी मे से सभी परीक्षार्थी उपस्थित रहे, कोई भी बच्चा अनुपस्थित नहीं रहा। सभी परीक्षा केन्द्रो मे कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति मे ऑनलाइन इश्वश्व के माध्यम सें निगरानी रखते हुए पेपर हुआ। पुलिस थाने एवं परीक्षा केंद्रों मे कलेक्टर प्रतिनिधि एवं केन्द्राध्यक्ष के आपसी समन्वय से सभी कार्य आसानी से शांतिपूर्वक सम्पादित किए गए। जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी के द्वारा परीक्षा केंद्र शा कन्या बरेला, शा बालक बरेला एवं शासकीय उमावि धनपुरी स्कूल का निरिक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी जगह व्यबस्थित परीक्षा संचालित पायी गयी। कोई नक़ल प्रकरण नहीं पाया गया। कलेक्टर महोदय द्वारा गठित उड़न दस्ता दल मे एसडीएम अधारताल के दल के द्वारा विनिंग स्कूल महाराजपुर एवं सीएम राइज विद्यालय अधारताल का निरीक्षण किया गया। एसडीएम रांझी के दल के द्वारा शास हाई स्कूल बेलबाग़ एवं शा उमावि व्योहारबाग़ का निरीक्षण किया गया.। एसडीएम पनागर के दल द्वारा शा उमावि बेलखाडू एवं शा हाई स्कूल कालाडूमर का निरीक्षण किया गया।

एसडीएम गोरखपुर के दल के द्वारा शा सहशिक्षा गढ़ा स्कूल एवं हितकारिणी विद्यालय का निरीक्षण किया गया। एसडीएम कुण्डम के द्वारा शा विद्यालय कन्या कुण्डम, शा विद्यालय जम गाँव एवं शा विद्यालय पड़रिया का निरीक्षण किया गया। एसडीएम पाटन श्री मानवेन्द्र सिंह के द्वारा सीएम राइज विद्यालय पाटन, शा कन्या विद्यालय पाटन का निरीक्षण किया गया। एसडीएम शहपुरा श्री कुलदीप पाराशर के द्वारा कन्या शाला शहपुरा का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर के निर्देश पर विकासखंड स्तर पर सभी सहायक संचालक शिक्षा क्ष्श्वह्न के द्वारा भी सभी ब्लॉक मे सघनता से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। सभी निरीक्षण के दौरान किसी भी केंद्र मे कोई भी अनियमितता नहीं पायी गयी एवं कोई भी नक़ल प्रकरण नहीं बना।

7 मार्च को बारहवी का विषय अनुसार पेपर 7 मार्च को कक्षा बारहवी कका परीक्षा केंद्रों पर विषय अनुसार पेपर रहेगा, जिसमे भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन, स्टील लाइफ, शरीर रचना क्रिया विज्ञान शामिल हैं।

रेल यात्री सुविधाओं से जुडें कार्यों में महिला रेल कर्मी निभा रही हैं अहम जिम्मेदारिया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेलवे सदैव अपने यात्रियों को बेहतर सेवा देने के लिए कटिबद्ध है। 8 मार्च को आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम नारी शक्ति से विकसित भारत पर पश्चिम मध्य रेलवे पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन मुख्यालय व तीनों मण्डलों में किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढते हुए पश्चिम मध्य रेलवे पर वर्तमान में महिला कर्मचारी विभिन्न पदों पर कार्यरत् है। यह महिलाकर्मी स्टेशन मास्टर, लोको पायलेट, ट्रेक मैंटेनर, डीजल शैड और वर्कशॉप में इंजीनियर व सामान्य सहायक, रेलवे सुरक्षा बल, टीटीई, नर्सिगकर्मी, चिकित्सक, गार्ड इत्यादि पदों पर बखूबी अपना दायित्व निभा रही है। इसके साथ ही पश्चिम मध्य रेलवे पर कार्यरत् महिला खिलाडियों ने भी देश-विदेश में होने वाली प्रतियोगिताओं में मैडल प्राप्त कर देश को गौरवान्वित किया है।

रेलवे में लोको पायलेट का कार्यभार चुनौतीपूर्ण माना जाता है जिसमे बहुत ही सतर्कता और मुस्तैदी के साथ 24 ×7 ट्रेन संचालन करना होता है। लोको पायलेट के पद पर अब महिलाएं अपनी ड्यूटी को बखूबी कर पुरूषों के साथ-साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये रेलवे सुरक्षा बल में महिला बटालियनों की स्थापना की गई है। वर्तमान में पश्चिम मध्य रेलवे पर महिला सुरक्षाकर्मी कार्यरत है जो महिला सुरक्षा अभियान मेरी सहेली में अहम भूमिका का निर्वहन कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम मध्य रेल के तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा पर महिला सशक्तिकरण की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। मण्डल के स्टेशनों कटनी, सतना, इटारसी, बीना, भरतपुर एवं सवाई माधोपुर में महिला कर्मचारियों एवं कर्मचारियों की महिला आश्रितों के लिए ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में पमरे मुख्यालय में 5 एवं 6 मार्च को विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे नींबू दौड़, जलेबी दौड़, म्यूजिकल चेयर, स्वीट डिश आदि प्रतियोगिताओं बड़ी संख्या ने हिस्सा लिया।

जबलपुर मण्डल में 07 मार्च 2025 को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल के विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारियों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिला कर्मचारियों ने महिला सशक्तिकरण विषय पर परिचर्चा में भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए। कोटा मंडल में दिनांक 04 मार्च से 10 मार्च तक विभिन्न गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है। जिसमे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, आत्मरक्षा कार्यशाला, वित्तीय लिटरेसी कार्यशाला, कौशल विकास कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, फोटो प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। भोपाल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है।

रेलवे द्वारा यात्रा करने वाली रेल महिला यात्रियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है-

महिला कोच- लम्बी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों में महिलाओं के लिए एक अलग अनारक्षित डिब्बा लगा होता है, जो गार्ड के केबिन से जुड़ा होता है।

लोअर बर्थ का कोटा- सभी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में सभी आरक्षित श्रेणियों में वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ 45 वर्ष या अधिक आयु की महिला यात्रियों के लिए तथा गर्भवती महिलाओं (चिकित्सक के प्रमाण पत्र के साथ) के लिए शयनयान श्रेणी के प्रत्येक डिब्बें में लोअर बर्थ का तथा थर्ड एसी/सैकण्ड एसी में भी लोअर बर्थ का संयुक्त कोटा होता है।

आरक्षण केन्द्र पर- सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर आरक्षण कार्यालय में महिलाओं के लिए पृथक लाइन की व्यवस्था होती है।

अन्य सुविधाएं- महत्वपूर्ण स्टेशनों पर महिलाओं के लिए पृथक महिला प्रतीक्षा कक्ष की व्यवस्था होती है, जहॉ महिलाओं के साथ 12 वर्ष से कम आयु के बच्चे गाड़ी के आगमन/प्रस्थान के समय प्रतीक्षा कर सकते है। इसके साथ ही स्टेशनों पर बेबी फीडिंग रूम, सेनेटरी नैपकीन वेडिंग मषीन तथा इन्सीनरेटर मशीन लगाई गई है। महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन संख्या 139 उपलब्ध कराई गई हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाये गए है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज अधिक से अधिक करदाताओं को मिलेगा छूट का लाभ

छूट का लाभ लेने करदाताओं से महापौर, राजस्व प्रभारी एवं निगमायुक्त ने की अपील

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शासन के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन नगर निगम द्वारा आज दिनांक 08 मार्च 2025 दिन शनिवार को मुख्यालय सहित सभी 16 संभागीय कार्यालयों में आयोजित किया गया है। इस संबंध में राजस्व विभाग के अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ठाकुर, उपायुक्त पी.एन. सनखेरे एवं राजस्व अधिकारी राकेश तिवारी ने बताया कि लोक अदालत में अधिभार में करदाताओं को छूट मिलेगी। आयोजित नेशनल लोक अदालत में शहर के सम्माननीय करदाताओं को अधिक से अधिक छूट का लाभ मिले इसके लिए निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने संबंधित अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर निर्देश दिये हैं। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', एम.आई.सी. सदस्य एवं राजस्व प्रभारी डॉ. सुभाष तिवारी एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने सभी करदाताओं से भी अपील की है कि बकाया करों की राशि में छूट का लाभ नेशनल लोक अदालत के माध्यम से दी जा रही है, इसलिए आप सभी करदाताओं से अपील है, कि अधिक से अधिक संख्या में नेशनल लोक अदालत में पहुँचकर छूट का लाभ लें।

पश्चिम मध्य रेलवे से गुजरेगी होली एवं ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनें

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा होली एवं ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर होली एवं ग्रीष्मकालीन स?पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है-

1) ट्रेन संख?या 09075/09076 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम (साप्ताहिक) सुपरफास्ट स्पेशल [32 फेरे]

ट्रेन संख?या 09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट स्पेशल प्रत?येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी। यह ट्रेन 12 मार्च से 25 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख?या 09076 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल प्रत?येक गुरुवार को काठगोदाम से 17.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.55 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 13 मार्च से 26 जून 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, उधना, वडोदरा, रतलाम, डकनिया तलाव, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, बदांयू, बरेली जं., बरेली सिटी, इज्जतनगर, बहेरी, किच्छा, लालकुआ और हलद्वानी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। 2) ट्रेन संख?या 09185/09186 मुंबई सेंट्रल-कानपुर अनवरगंज (साप्ताहिक) सुपरफास्ट स्पेशल [34 फेरे] ट्रेन संख्या 09185 मुंबई सेंट्रल-कानपुर अनवरगंज सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को मुंबई सेंट्रल से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 15.35 बजे कानपुर अनवरगंज पहुंचेगी। यह ट्रेन 9 मार्च से 29 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को कानपुर अनवरगंज से 18.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.55 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 मार्च से 30 जून, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, उधना, वडोदरा, रतलाम, डकनिया तलाव, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा जंक्शन, मथुरा कैंट, हाथरस सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज और बिल्हौर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3) ट्रेन संख?या 09101/09102 वडोदरा-हरिद्वार (साप्ताहिक) सुपरफास्ट स्पेशल [8 फेरे]

ट्रेन संख?या 09101 वडोदरा-हरिद्वार सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार को वडोदरा से 16.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। यह ट्रेन 8 से 29 मार्च, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख?या 09102 हरिद्वार-वडोदरा सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को हरिद्वार से 17.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.00 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 9 से 30 मार्च, 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, दाहोद, रतलाम, डकनिया तलाव, गंगापुर सिटी, मथुरा, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, टपरी और रुड़की स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। यात्री उक्त स्पेशल ट्रेनें के ठहराव की विस्तृत जानकारी रेल मदद 139 अथवा एनटीईएस ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

सोगरिया से निजामुद्दीन के मध्य चलेगी दो-दो ट्रिप होली स्पेशल ट्रेन

पमरे के सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, बयाना एवं भरतपुर स्टेशनों पर ठहराव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रशासन द्वारा होली त्योहार में अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से सोगरिया से गाड़ी सं 02981/02982 सोगरिया-हजरत निजामुद्दीन-सोगरिया के मध्य होली स्पेशल ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया गया है। इस गाड़ी में विभिन्न दर्जे के कुल 20 कोच होंगे। होली स्पेशल ट्रेन के संचालन से यात्रियों को इस त्योहारी सीजन में अग्रिम आरक्षण का लाभ एवं भीड़ से राहत मिल सकेगा।

गाड़ी संख्या 02981/02982 सोगरिया-हजरत निजामुद्दीन-सोगरिया के मध्य स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओ में द्विसाप्ताहिक रूप में सोगरिया से दिंनाक 13 एवं 15 मार्च को एवं हजरत निजामुद्दीन से दिंनाक 14 एवं 16 मार्च को 02-02 ट्रिप चलेगी।

गाड़ी सं 02981 सोगरिया से गुरूवार व शनिवार रात 21.00 बजे प्रस्थान कर सवाई माधोपुर 22.33 बजे, गंगापुर सिटी 23.18 बजे, हिंडौन सिटी 23.50 बजे, बयाना 00.18 बजे, भरतपुर 00.53 बजे, मथुरा 02.00 बजे आगमन कर अगले दिन 04.55 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुँचेगी।

इसी प्रकार वापसी में गाड़ी सं 02982 हजरत निजामुद्दीन से शुक्रवार व रविवार सुबह 06.00 बजे प्रस्थान कर मथुरा 08.20 बजे, भरतपुर 08.53 बजे, बयाना 09.23 बजे, हिंडौन सिटी 09.48 बजे, गंगापुर सिटी 10.23 बजे, सवाई माधोपुर 11.13 बजे बजे आगमन कर दोपहर 13.10 बजे सोगरिया पहुँचेगी। गाड़ी का ठहराव- यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, बयाना, भरतपुर एवं मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी । यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए होली स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी रेल मदद 139 अथवा एनटीईएस ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर म.प्र.

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRo - 627 Date- 2025_ UAD 407419_1	महर्षि महेश योगी वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर सड़कों का डामलीकरण से सुधार कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 12.70	2000/- 12706	05.04.2025
2	PRo - 627 Date- 2025_ UAD 407419_2	महर्षि महेश योगी वार्ड अंतर्गत बेतला बस्ती में मनीष फ्लेक्स के बाजू से इंदू सिंह के घर तक कवर्ड नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 3.08	2000/- 3082	22.03.2025
3	PRo - 627 Date- 2025_ UAD 407419_3	महर्षि महेश योगी वार्ड अंतर्गत जयप्रकाश नगर में रमाकांत मिश्रा के घर से केवट कबूतर वाले के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 4.23	2000/- 4239	22.03.2025
4	PRo - 627 Date- 2025_ UAD 407419_4	महर्षि महेश योगी वार्ड अंतर्गत जी.सी.एफ. सोसायटी में केटले जी से नर्मदा बेकरी पांडे जी के मकान तक सी.सी.रोड निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 8.21	2000/- 8218	22.03.2025
5	PRo - 627 Date- 2025_ UAD 407419_5	महर्षि महेश योगी वार्ड अंतर्गत सरस्वती स्कूल मार्ग के दोनों ओर पेवर ब्लाक लगाने का कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 2.79	2000/- 2794	22.03.2025

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://.mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री,नगर पालिक,निगम जबलपुर

भोपाल -आगामी शनिवार 8 मार्च 2025 को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को आपसी समझौतो से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे कानूनी काईवाई से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

प्रधानमंत्री मोदी के वर्ष 2026 तक नक्सल मुक्त भारत के संकल्प की पूर्ति में मध्यप्रदेश सक्रिय भूमिका निभाएगा

मध्यप्रदेश में नक्सलियों का किया जाएगा खात्मा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश के लिए भी जिला स्तर और पुलिस मुख्यालय से लेकर राज्य शासन के स्तर पर निरंतर समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास में बैठक लेकर नक्सल उन्मूलन अभियान पर वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2026 तक नक्सलियों का पूरी तरह खात्मा करने का संकल्प व्यक्त किया है। मध्यप्रदेश इस दिशा में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करेगा। प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण, दूरसंचार साधनों के विस्तार और आवश्यक जवानों की तैनाती से नक्सल तत्वों पर नियंत्रण में सफलता मिल रही है। विकास कार्य निरंतर जारी रखे जाएं और आधुनिक उपकरणों के उपयोग और क्षेत्र की निरंतर निगरानी से नक्सली तत्वों के खात्मे के लिए प्रयास तेज किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में नक्सलवाद के उन्मूलन का अभियान चल रहा है। प्रदेश में नक्सलवाद के किसी भी कीमत पर पैर जमने नहीं दिए जाएंगे। नक्सलवाद के समूल नाश के लिए कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2026 तक नक्सल मुक्त भारत बनाने के संकल्प को पूर्ण करने के लिए ही केन्द्रीय गृह मंत्री ने नक्सल प्रभावित राज्यों के साथ बैठक आयोजित कर गंभीर विचार-विमर्श किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के संकल्प के अनुपालन में मध्यप्रदेश को पूरी तरह से नक्सल मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पेशल डीजी श्री पंकज श्रीवास्तव को प्रति पखवाड़े नक्सल उन्मूलन अभियान की समीक्षा के निर्देश दिए।

चार नक्सलियों को मार गिराने पर दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में नक्सलियों के विरूद्ध बालाघाट और निकटवर्ती क्षेत्र में हुई कार्रवाई की प्रशंसा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में पुलिस और नक्सलियों की मुठभेड़ में हाल ही में चार नक्सलियों को मार गिराए जाने की कार्रवाई के लिए पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। मारे गए नक्सलियों से तलाशी में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जप्त किया गया था। छत्तीसगढ़ की सीमा के निकट वन क्षेत्र में पुलिस की नक्सल विरोधी हॉक फोर्स और स्थानीय पुलिस बल द्वारा यह साहसिक कार्रवाई की गई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत वर्ष प्रदेश में नक्सलवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों को महत्वपूर्ण बताया। बैठक में मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना राज्यों द्वारा संयुक्त अभियान के माध्यम से नक्सलवादियों के खात्मे के संकल्प पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अन्य निर्देश

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के निवासियों की आर्थिक तथा सामाजिक प्रगति के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। समन्वित प्रयासों को बढ़ाया जाए।

संचार सुगमता के लिए मोबाइल टॉवरों की स्थापना का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें। नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना के लिए हॉक फोर्स बल में वृद्धि की स्वीकृति की कार्यवाही करें। प्रदेश से माओवादी समस्या का उन्मूलन सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके दृष्टिगत समवेत प्रयास किए जाएं।

नक्सल प्रभावित जिलों में सुदूरवर्ती दुर्गम क्षेत्रों के निवासियों के आवागमन को आसान बनाने के लिए निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करें। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना और दूरसंचार विभाग और बीएसएनएल, मध्यप्रदेश परिमंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज श्योपुर और सिंगरौली को आगामी सत्र में प्रारम्भ करने के लिये औपचारिकताएं करें पूर्ण

स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के पात्र प्रस्तावों को शीघ्र प्रस्तुत करें - उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल-(आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के पात्र प्रस्तावों को शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज श्योपुर और सिंगरौली को आगामी सत्र में प्रारम्भ करने के लिए निर्माण कार्य सहित समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा संस्थानों के अधोसंरचना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, संचालक (प्रोजेक्ट) प्रवीण सिंह अढ़ायच सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। पीएचसी एवं सीएचसी में कार्यरत चिकित्सकों की सुविधा के लिए आवासीय परिसर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण किये जाएँ। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पीएचसी एवं सीएचसी में कार्यरत चिकित्सकों की सुविधा के लिए आवासीय परिसरों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण के लिए चिकित्सकों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। इससे चिकित्सकों को बेहतर कार्य वातावरण प्राप्त होगा। ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थान सशक्त होंगे, प्रदेश के हर कोने में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय के लिये यह कारगर कदम है।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह योजना विधवा जीवन में नव संचार का है माध्यम - सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाह

भोपाल(आरएनएस) सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह योजना असमय विधवा हो चुकी बहनों के जीवन में नव-जीवन के संचार का माध्यम है। उन्होंने योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। योजना में इस वित्त वर्ष में 709 कल्याणी बहनों को 14 करोड़ 18 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। योजना में गत वित्तीय वर्ष में 510 कल्याणी हितग्राहियों का आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणियों (विधवा) को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर, नये जीवन की शुरूआत के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है। योजना में विवाह के बाद कल्याणी बहन को 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ कल्याणी बहनें आसानी उठा सकें इसके लिए विभाग द्वारा कल्याणी विवाह पोर्टल (1द्व1ड्डद्धश्चश्रह्ल-ह्लड्डद्य.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ) बनाया गया। पोर्टल से योजनाओं की जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए आवश्यक है कि कल्याणी बहन और उनका जीवनसाथी मध्यप्रदेश के निवासी हो। विवाह के समय कल्याणी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष या उससे अधिक व कल्याणी के पति की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक हो। कल्याणी आयकरदाता न हो तथा कल्याणी शासकीय कर्मचारी/अधिकारी न हो, किसी राज्य/केंद्र सरकार या शासन हित पोषित निगम, उपक्रम, संस्था के अधीन कार्यरत कर्मचारी/अधिकारी न हो। कल्याणी को परिवार पेंशन प्राप्त न हो रही हो, कल्याणी का जिस व्यक्ति से विवाह हुआ हो उसकी पूर्व से कोई जीवित पत्नी न हो तथा कल्याणी व कल्याणी के पति की समग्र आई.डी. में पंजीयन होना आवश्यक है।

भाजपा सांसद के कुत्सित बयान के खिलाफसड़कों पर उतरी कांग्रेस

छिन्दवाड़ा (आरएनएस)। जिले में दिन प्रतिदिन बिगड़ती कानून व्यवस्था, जिला मुख्यालय से लेकर ब्लॉक मुख्यालय और गांव-गांव में बढ़ते अपराध, बेखौफ घूमते रेत माफिया, शराब माफिया व भूमि माफिया लगातार अपराध को अंजाम दे रहे। सत्ता के संरक्षण में गुंडाराज पनप रहा है, जो शांतिप्रिय जिले की आबोहवा में अपराध का जहर खोल रही है। जिला कांग्रेस आदिवासी विभाग के जिलाध्यक्ष श्री रामनारायाण परतेती पर जानलेवा हमला किया गया। देश के सर्वमान्य नेता मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी के द्वारा जब बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए और वर्दी की इज्जत करने की बात हर्रई टीआई से कही, क्योंकि लम्बे समय से हर्रई टीआई के द्वारा क्षेत्र के गरीब व पीड़ित आदिवासियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। जब आदिवासी अपनी शिकायत लेकर पुलिस थाना तक पहुंचते हैं तो वहां उनकी शिकायत सुनने की बजाए टीआई के द्वारा उन्हें डराया व धमकाया जाता है। माननीय कमलनाथ जी ने आदिवासियों की सुरक्षा व उनके हितों को सुरक्षित रखने थाना प्रभारी को समझाइश दी तो छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र के भाजपा सांसद के द्वारा बयान दिया गया कि वे पुलिस से पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी की धुलाई कराएंगे। भाजपा सांसद की जुबान से गुंडागर्दी वाले शब्द अपराध को बढ़ावा देने वाले हैं। भाजपा सांसद के कुत्सित बयान के खिलाफकांग्रेस ने सड़क पर उतकर उग्र प्रदर्शन कर पुलिस लाइन कंट्रोल रूम पहुंचकर ज्ञापन प्रस्तुत किया और भाजपा सांसद को खुले व संयमित शब्दों में चेताया कि भाषा की मर्यादा को ना लांघे। राजीव कांग्रेस भवन से रैली के रूप में निकले कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हाथों में कांग्रेस का झंडा लेकर भाजपा सरकार और भाजपा के सांसद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मोहन यादव सरकार महिलाओं से किये 3000 रु. देने के वादे को धरातल पर उतारे: जीतू पटवारी

भोपाल (आरएनएस) ।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज जारी अपने बयान में कहा कि महिलाओं को 3000 रूपये महीने देने का वादा कर सत्ता में काबिज हुई भाजपा सरकार महिलाओं के साथ छलावा कर रही है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने महिलाओं से वादा किया था कि उन्हें 3000 रूपये महीना दिया जायेगा। तत्कालीन शिवराज सरकार में शुरू हुई इस लाड़ली बहना योजना में महिलाओं के साथ कुठाराघात किया गया है। आज दो वर्ष होने जा रहे हैं, किंतु भाजपा सरकार ने महिलाओं से किये इस वादे पर अभी तक अमल करने की कोई कार्ययोजना तैयार ही नहीं की है। बल्कि धीरे-धीरे महिलाओं को योजना में अपात्र घोषित कर उन्हें योजना से वंचित किया जा रहा है। अब तक प्रदेश सरकार ने ढाई लाख से अधिक लाड़ली बहनों को योजना से अपात्र घोषित कर इस योजना से दरकिनार कर दिया है।

जीतू पटवारी ने स्मरण कराते हुये कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने देवास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि अभी लाड़ली बहनों को 1250 रू. दे रहे हैं। बहनों, तुम चिंता मत करना, धीरे-धीरे कर यह राशि 3000 रू. होने वाली है, हम आपके खाते में आगे चलकर 3000 रुपए डालेंगे। भाजपा सरकार कई बार योजना की राशि बढ़ाने की बात कह चुकी है। लेकिन, हर बार यह बात बयानवाजी से आगे नहीं बढ़ पा रही है और सरकार का यही झूठ अब बहनों की सबसे बड़ी चिंता बन गया है। भाजपा को वोट डालकर ठगी गई लाड़ली बहना अब भाजपा की नीति और नियत को पूरी तरह से समझ चुकी है।

पटवारी ने कहा कि भाजपा शासित महाराष्ट्र में 1500 रू. और हरियाणा में 2100 रू. दिए जा रहे हैं और दिल्ली में भी 2500 रू. देने की घोषणा की गई है। लेकिन, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश की बहनों के साथ अन्याय क्यों कर रहें है? इतना ही नहीं जहां भाजपा का शासन नहीं है, वहां भी महिलाओं के सम्मान में कमी नहीं है, कर्नाटक में 2000 रू., तेलंगाना में 2500 रू. और झारखंड में भी 2500 दिए जा रहे हैं। इसीलिए, बार-बार मुख्यमंत्री जी से सवाल करना पड़ रहा है कि मप्र महिलाओं से किये 3000 के वादे से क्यों पिछड़ रहा है?

जीतू पटवारी ने कहा कि आगामी 10 मार्च से मप्र का बजट सत्र शुरू हो रहा है। मोहन यादव सरकार को तत्काल 3000 रू. प्रतिमाह के झूठे दावे को सच में बदलना चाहिए और लाड़ली बहनाओं की सबसे बड़ी इस मांग को पूरा करना चाहिए। प्रदेश का मुखिया इस पर मौन क्यों है? उन्होंने अपनी बात दोहराते हुये कहा कि क्या अपने हक और न्याय की मांग को लेकर भाजपा के मंत्रियों के पास जाने वाली मप्र की जनता भाजपाईयों के लिए भिखारी है और क्या भिखारी ही बनी रहेगी? यदि यह सच है तो सीएम हेल्पलाइन और जन सुनवाई जैसी नौटंकी को भी बंद कर देना चाहिए, क्योंकि, वहां भी भाजपा को आवेदन के साथ जनता भिखारी ही दिखती होगी।

पटवारी ने कहा कि नगर परिषद के सरकारी मंच से, सरकार के मंत्री का बयान सरकारी ही होता है, या यूं समझें एक मंत्री का बयान मंत्रीमंडल और सरकार का बयान ही माना जाता है। प्रधानमंत्री जी यदि आप मुख्यमंत्री मोहन यादव और पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल से अभी भी इस्तीफा नहीं लेते हैं, तो इसे की सहमति से मध्य प्रदेश की जनता को अपमानित करने का शर्मनाक और अति निंदनीय दुस्साहस माना जाएगा।

जीतू पटवारी ने कहा कि जनता के खुले अपमान का हिसाब कांग्रेस पार्टी अब सड़क पर उतर कर करेगी। पूरी भाजपा और सत्ता के खिलाफकांग्रेस पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन करेगी और भाजपा के अहंकार को जमीन पर लाकर उसे धराशायी करेगी।

कांग्रेस में एक्टिव नाथ, मिलेगी जिम्मेदारी?, दिल्ली में नए प्रभारी से मुलाकात

भोपाल (आरएनएस)। जिला कांग्रेस अब सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने लगी है। अब कांग्रेस में प्रदेभर में प्रदर्शन करने पर विचार कर रही है। इसी बीच कमलनाथ लंबे समय बाद सियासत में एक्टिव होते दिखाई दिए। दरसअल, प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी और कांग्रेस विधायक हरिश चौधरी और कमलनाथ के बीच दिल्ली में मुलाकात हुई। दोनों की इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच करीब एक घंटे चर्चा हुई। चर्चा क्या हुई यह अभी सामने नहीं आया है, लेकिन अचानक लंबे समय बाद नाथ का प्रदेश की राजनीति में ए?क्टिव होना अहम जाना जा रहा है। चौधरी को प्रदेश का प्रभारी मिलने के बाद कमलनाथ से उनकी यह पहली मुलाकात है। आपको बता दें कि कांग्रेस अलाकमान ने जब से हरीश चौधरी को प्रदेश का प्रभारी बनाया है, तब से ही वे प्रदेश कांग्रेस की नब्ज टटोल रहे है। वे लगातार पार्टी नेताओं की बैठक ले रहे है। साथ ही पार्टी के सिनियर लीडरों से मेल मुलाकाते कर रहे है। इसी के चलते हरीश चौधरी ने एमपी कांग्रेस के सबसे सीनियर नेता कमलनाथ से मुलाकात की है। दोनों की मुलाकात चर्चा में इसलिए बनी हुई क्योंकि दोनों की मुलाकात प्रदेश से बाहर दिल्ली में हुई है। जबकि हरिश चौधरी प्रदेश कांग्रेस की बैठक कर चुके है। बैठक में सभी नेताओं को बुलाया गया था, लेकिन कमलनाथ बैठक में नहीं पहुंचे थे। इसी के चलते दिल्ली में दोंनो की मुलाकात को अहम माना जा रहा है। यह भी बता दें कि प्रदेश की कमान मिलने के बाद से चौधरी का भोपाल दौरा लगातार बना हुआ है। चौधरी ने जब प्रदेश कांग्रेस की पहली बैठक बुलाई थी, तब पूर्व सीएम कमलनाथ के अलावा पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह भी गायब रहे थे।

विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन

भोपाल-(आरएनएस) प्रदेश के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रभावी तरीके से किया जा रहा है। नीति के क्रियान्वयन के लिये राज्य शासन द्वारा आयुक्त और संचालक स्तर की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की 14 समितियाँ गठित की गयी हैं। यह समितियाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न ग्रुप और क्षेत्रों से संबंधित हैं। राज्य शासन ने स्कूल शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में टॉस्क फोर्स का गठन किया है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पदेन सदस्य हैं। समिति में शासकीय एवं अशासकीय शिक्षाविदों को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं क्रियान्वयन के लिये सदस्यों के बीच परिचर्चा भी करायी गयी है। इसमें अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के साथ समन्वय में विशेषज्ञ के उद्बोधन कराये गये हैं। उन्मुखीकरण के दौरान एनसीईआरटी के विभागाध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फाउण्डेशनल (एनसीएफ) स्टेज विकास प्रक्रिया और राज्य पाठ्यचर्या फाउण्डेशनल (एससीएफ) स्टेज के बारे में भी जानकारी दी गयी है। केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशा-निर्देश अनुसार न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) ट्रैकर को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है।

राज्य में विशेष आवश्यकता वाले चिल्ड्रन विथ स्पेशल नीड्स (सीडब्ल्यूएसएन) 9550 नये बच्चों की पहचान एवं उनका कक्षा-9 से 12 में नामांकन सुनिश्चित किया गया है। इसी के साथ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षण के लिये प्रदेश में 8500 शिक्षकों को वर्ष 2024 में 2 सत्रों में विशेष प्रशिक्षण भी दिलाया गया है। सभी विकासखण्डों में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संसाधन केन्द्र विकसित किये गये हैं। नई शिक्षा नीति में विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा देने पर जोर दिया गया है। प्रदेश में 2383 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा संचालित की जा रही है। इनमें करीब 4 लाख विद्यार्थियों का इनरोलमेंट किया गया है और उन्हें 14 ट्रेड में व्यावसायिक शिक्षा देने की व्यवस्था की गयी है। प्रदेश के 798 हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में कृषि संकाय और 465 हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कृषि ट्रेड संचालित किये जा रहे हैं। स्टार्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत 100 विद्यालयों में नियमित छात्रों के साथ-साथ ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की भी व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ की गयी है।

पुष्प वर्षा के साथ माढ़ोताल में भव्य संकीर्तन शोभा यात्रा

श्री हरिनाम का जप इससे सरल कोई दूसरा साधन नहीं- संकीर्तनाचार्य

जबलपुर- चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि फाल्गुन मास चैतन्य महाप्रभु जन्मोत्सव समारोह पर नगर में हरिनाम संकीर्तन भक्तिभाव हर्षोल्लास पूर्वक जारी हैएसंकीर्तन श्रृंखला के चौथे दिवस आज उषा राठौरए सुषमा.मुकेश राठौर के सौजन्य से देवी पैलेस में माढ़ोताल में भव्य हरिनाम संकीर्तन का आयोजन पूजन अर्चन कर राधा कृष्ण के आह्वान के बाद सुमधुर संकीर्तन भज लो राधे श्यामएराधे राधे की गूंजएपुष्प वर्षा कर महाआरती के साथ संपन्न हुआ।संकीर्तनाचार्य पंण्मनमोहन दुबे ने कहा कलियुग में कर्मएभक्तिएविवेक ये तीनों नही सध पाते केवल हरिनाम का जप ही एकमात्र सहारा है। इस अवसर पंण्देवेंद्र त्रिपाठीएप्रभाएमधु आशा मोना राठौरएअनुपमा साहूएआनंद रोशन महाराजएसत्यप्रकाश नामदेवएके एल दीक्षितएप्रदीप राठौरएजगदीश तिवारीएअमित विश्नोईएसत्यनारायण दुबेएअजय दिलीप राठौरएजगदीश तिवारीएश्याम मनोहर पटेलएमनोज गुलाब बानीएविशाल पंड्याएराजेश असाटीएपप्पू चौबेए अग्रवालएधीरज वंशकारएसंजय आनंद रोशन राठौरए देवेंद्र नेमा उपस्थित रहे।

आज पांचवे दिवस अंजनी अग्रवालएजितेंद्र शर्मा के निवास त्रिमूर्ति नगर से प्रात:7 बजे संकीर्तन यात्रा प्रारंभ होगी।समस्त भक्तजनों से उपस्थिति का अनुरोध है।

हिंदू धर्म में बुधवार का दिन भगवान श्रीगणेश को समर्पित होता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही गणेश जी की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए बुधवार का व्रत भी किया जाता है। बता दें कि भगवान गणेश की पूजा करने से जातक के आय, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है और बिगड़े काम बनने लगते हैं। ऐसे में अगर आप भी जीवन में आने वाले दुखों और संकटों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो बुधवार को सुबह स्नान आदि करने के बाद विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा करें। वहीं पूजा के दौरान श्रीगणेश को मोदक और दूर्वा जरूर अर्पित करें।

एकता का महायज्ञ संपन्न

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेडियों को तोड़कर आजादी से संस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट, अपहरण, छेड़छाड़ व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़ की मौतों के आंकड़े छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्य/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा।

वर्चस्व पर संकट का कवच बनती हिंदी विरोध की राजनीति

संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है।

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नई बात नहीं है। हिंदी के विरोध में जिस तरह स्टालिन ने रोजाना आधार पर मोर्चा खोल रखा है, वह 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन की याद दिला रहा है। संवैधानिक प्रावधानों की वजह से 26 जनवरी 1965 को हिंदी को राजभाषा के तौर पर जिम्मेदारी संभालनी थी, जिसके विरोध में सीए अन्नादुरै की अगुआई में पूरी द्रविड़ राजनीति उतर आई थी। तब हिंदी विरोध के मूल केंद्र में तमिल उपराष्ट्रीयता थी। उसके लिए तब यह साबित करना आसान था कि उस पर हिंदी थोपी जा रही है। तब आज की तरह सूचना और संचार की सहूलियतें नहीं थीं, तब दक्षिण और उत्तर के बीच आज की तरह सहज संचार नहीं था, तब आज की तरह मीडिया का इंटरनेटी वितान नहीं था। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। लिहाजा इस संदर्भ में स्टालिन के मौजूदा हिंदी विरोध की तह में जाना जरूरी हो जाता है।

चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर उत्तर भारत के किसी हिंदीभाषी इलाके का, उसके हाथ में अगर फोन है, उसमें अगर इंटरनेट का कनेक्शन है तो तय है कि उसकी उंगलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं। इसलिए कम से कम सूचना और संचार के ऐसे माध्यमों पर किसी सरकार की वजह से भाषायी बंधन आज के दौर में हो भी नहीं सकता। इंटरनेट क्रांति के पहले भाषाओं के विस्तार में बाजार ने जो भूमिका निभाई, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज का बाजार वर्ल्ड वाइड वेब यानी डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू के पंखों के सहारे कहीं और तेजी से फैल तो रहा ही है, फल-फूल भी रहा है। इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और कोई दीवार उसे रोक सकती है। बेशक तमिलनाडु भाषायी स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है, लेकिन वह भी हमारे देश का हिस्सा है। मौजूदा स्थिति में तेजी से विकसित होता राज्य है और उसे अपने उत्पादन केंद्रों के लिए कामगारों की जरूरत है। जिसकी आपूर्ति उत्तर भारत के ही राज्य करते हैं। उसके निजी शैक्षिक केंद्रों के लिए विद्यार्थियों की भी जरूरत है। उत्तर भारत की जो शैक्षिक स्थिति है, उसकी असलियत सबको पता है। इस वजह से उत्तर भारतीय छात्रों की आवक भी तमिलनाडु में खूब है। ऐसे माहौल में वैसे तो हिंदी विरोध के औचित्य पर ही सवाल है। फिर भी स्टालिन विरोध कर रहे हैं तो उसके अपने कारण हैं।

संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है। हिंदी या कोई अन्य भाषी वैसे भी तमिल संस्कृति को इसलिए बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा दुनिया की पुरानी संस्कृतियों में से एक है और उसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। तमिल लोग अपनी संस्कृति और भाषा से नेह-छोह ही नहीं रखते, उसका शिद्दत से सम्मान भी करते हैं। फिर तमिलनाडु की ऐसी स्थिति नहीं है कि दिल्ली, जालंधर, सूरत, लुधियाना, मुंबई की तरह तमिलनाडु के शहरों में हिंदीभाषियों की बाढ़ आ जाएगी। वैसे एक बारगी मान लें कि जिन जगहों का जिक्र हुआ है, वहां हिंदीभाषियों की बाढ़ होने के बावजूद क्या वहां की स्थानीय संस्कृति और भाषाओं पर संकट आया। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। दरअसल होता यह है कि बाहर से आया व्यक्ति स्थानीय संस्कृति और समाज के लिहाज से वहां व्यवहृत भाषा को अपने सामाजिक और सार्वजनिक कामकाज की भाषा बनाता है, वह अपनी बोली-बानी को अपने सीमित समाज और परिवार में इस्तेमाल तो करता है, लेकिन उसकी सार्वजनिक संपर्क भाषा वहां की स्थानीय भाषा ही होती है। पता नहीं, इन तथ्यों को स्टालिन समझते हैं या नहीं, लेकिन वे बार-बार हिंदी पर आरोप लगाते रहते हैं कि वह तमिल संस्कृति को नुकसान पहुंचाएगी।

असल बात यह है कि तमिलनाडु की राजनीति में पिछली सदी के साठ के दशक से ही स्थानीय द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व बना हुआ है। कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके जैसी स्थानीय पार्टियां ही सत्ता की मलाई खाती रही हैं। सही मायने में देखें तो ये महज स्थानीय पार्टियां ही नहीं हैं, बल्कि अपने-अपने हिसाब से तमिल उपराष्ट्रीयता का ही प्रतिनिधित्व करती हैं। तमिल उपराष्ट्रीयता होना बुरी बात नहीं है, लेकिन वह राष्ट्रीयता पर हावी नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह कड़वा सच है कि तमिल उपराष्ट्रीयता राष्ट्रीय मूल्यों पर हावी रहती रही है।

सत्र बिना खर्च विरोध प्रदर्शन का बड़ा मंच

सुरेश शर्मा

सत्र चाहे लोकसभा का हो या विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं का उसके मायने ही बदल गये। पहले के दौर की बात करें तो विधायक सवाल पूछने की तैयारी करते थे? अपने सभी सूत्र खंखालते थे। सवाल पूछवाने के लिए लोग भी विधायक के पास पहुंचते थे। उत्साह का वातावरण होता था। दूसरी तरफ सरकार सवाल का समय आने पर सर्त्तक हो जाती थी। अधिकारियों में एक विशेष प्रकार का डर दिखता था। कुछ खास किस्म के कर्मचारियों को जवाब तैयार करने के लिए लगाया जाता था। वे फाइलों को इसलिए खंखालते थे क्योंकि यदि विधायक ने कुछ अतिरिक्त पूछ लिया तो? मंत्री को हर स्थिति के लिए तैयार किया जाता था। मंत्री की भी ब्रिफिंग की जाती थी। मतलब यह है कि विधानसभा सत्र आने से पहले ही प्रशासन दुरूस्त हो जाता था। एक होता है काम रोको प्रस्ताव। अपने ही दल के विधायकों में इस बात की होड़ लगती थी कि इस विषय की सूचना सबसे पहले कौन दे? गेट के सामने कतारें लगती थी। जाने-माने विधायक सुबह-सुबह गेट के पास दिख जाते थे? मीडिया भी यह देखता था कि स्थगन में किसका नाम पहले पढ़ा गया? लेकिन आजकल यह सब गायब हो गया? चलो तकनीक का युग है लेकिन इसमें भी मंत्रालय की हलचल भी क्यों गायब हो गई?

अब तो अधिकारी लम्बी तानकर सो रहे हैं? विधायक सवाल ही अब क्षेत्रीय अधिकारियों से पूछकर लगाते हैं? कई बार तो सवाल पूछकर या ध्यानाकर्षण लगाकर चर्चा के समय गायब हो जाते हैं? बड़ा बदलाव आ गया। अब सरकार केवल दो ही विषयों पर सोचती है कि सरकारी कामकाज पर सदन की मुहर लगवा ली जाये। विधानसभा अध्यक्ष उसमें सरकार की मदद करते हैं। वे हंगामें के समय महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हां की जीत हुई, हां की जीत हुई कह कर पारित कर देते हैं।

पंजाब के किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है? पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र

गले का नीला होना भगवान शंकर का एक अन्य विशिष्ट श्रृंगार है

हुआ यूँ था, कि एक बार देवता और असुरों ने मिल कर, अमृतरस प्राप्ति हेतु समुद्र मंथन किया। दोनों चिर प्रतिद्वन्धि सदैव से ही एक दूसरे के शत्रु थे। किंतु जब पता चला, कि समुद्र मंथन से प्राप्त होने वाले अमृत का पान कर, वे सदा के लिए अमर हो जायेंगे, तो वे स्वार्थ हेतु एकत्र हो गये।

गोस्वामी तुलसीदास जी भगवान शंकर के सुंदर श्रृंगार का, बड़ी प्रीति से वर्णन कर रहे हैं। ठीक भी है, क्योंकि संसार में जीवों के हिस्से में तो, अन्य प्रतिद्वन्धियों की निंदा करना ही लिखा होता है। किंतु गोस्वामी जी का परम सौभाग्य, कि वे निंदा से कोसों दूर, भगवान के श्रृंगार रस को चित्रित कर रहे हैं। अन्य श्रृंगारों की भाँति ही, भगवान शंकर का एक अन्य विशिष्ट श्रृंगार है, उनके गले का नीला होना। जो कि शिवगणों के द्वारा नहीं किया गया था, अपितु यह एक महान व दिव्य घटना का प्रतिबिंब है। हुआ यूँ था, कि एक बार देवता और असुरों ने मिल कर, अमृतरस प्राप्ति हेतु समुद्र मंथन किया। दोनों चिर प्रतिद्वन्धि सदैव से ही एक दूसरे के शत्रु थे। किंतु जब पता चला, कि समुद्र मंथन से प्राप्त होने वाले अमृत का पान कर, वे सदा के लिए अमर हो जायेंगे,

समय और घटना किसी के बस में नहीं

हरिशंकर व्यास

इंदिरा गांधी ने असली कांग्रेस को पार्टी तोड़ कर खत्म किया था। वही नरेंद्र मोदी ने बिना कुछ किए ही भाजपा और संघ परिवार को अपने रंग में डाला है। सौ टका सत्ता आश्रित बना दिया है।

सोचें, दिल्ली में मुख्यमंत्री के नए चेहरे के हवाले भाजपा के कुल नए अर्थ पर। भाजपा अब क्या है? दो, सिर्फ दो नेताओं के करिश्मे पर आश्रित पार्टी। एक, 74 वर्षीय नरेंद्र मोदी और दूसरे 52 वर्षीय योगी आदित्यनाथ।

दोनों की उम्र में 22 वर्ष का फर्क। ऐसे में नरेंद्र मोदी यदि 2034 तक प्रधानमंत्री रहते है (कोई अनहोनी नहीं, मोरारजी देसाई 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे और 28 महीने पद पर रह कर 84 वर्ष की उम्र में रिटायर हुए थे) तब वे 84 साल के होंगे और योगी आदित्यनाथ 64 वर्ष के।

तब उनका विकल्प योगी को उत्तराधिकार सुपुर्द करने का होगा। यदि मोदी को इतने लंबे समय तक राज करना है तो मेरा मानना है कि वे उत्तर प्रदेश और हिंदी भाषी भक्तों के लिए योगी को लगातार मुख्यमंत्री बनाए रखेंगे। यह भारतीय राजनीति का नया कीर्तिमान होगा। साथ ही भारत के भविष्य का अकल्पनीय सिनेरियो भी। क्योंकि मोदी के हिंदुत्व और योगी के हिंदुत्व के तीस-चालीस साल में भारत अंदरूनी तौर पर जो बनेगा, वह छुपा नहीं रहना है।

संभवतया यह सिनेरियो नामुमकिन लग रहा हो। तब जरा नई भाजपा पर गौर करें? सन् 2019 के बाद से आरएसएस को दरकिनार कर प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा का चेहरा, चरित्र ही बदल डाला है।

भारत की पार्टियों और आजाद भारत का इतिहास है कि केंद्र सरकार की सत्ता तभी संभव है जब राष्ट्रीय चेहरों की धुरी पर पार्टी का विकास हो। साथ ही क्षत्रपों की स्वयंभू ताकत पर पार्टी संगठित हो।

जनसंघ-भाजपा के इतिहास में श्यामा प्रसाद, बलराज मधोक, वाजपेयी यदि धुरी थे तो उसकी पहली दिल्ली की सत्ता में लोकल नेताओं (पंजाबी तिकड़ी- मल्होत्रा, साहनी, खुराना) का योगदान था।

अटल बिहारी वाजपेयी से हिंदी प्रदेशों में गूंज थी तो साथ में भैरो सिंह शेखावत, शांता कुमार, मंगल सेन, माधवकांत त्रिपाठी, कैलाशपति मिश्र, कैलाश जोशी, केशुभाई, जगन्नाथ राव जोशी, येदियुरप्पा, मनोहर पार्रिकर, कल्याण सिंह, प्रमोद महाजन की जातीय-लोकल क्षत्रप राजनीति से भी जनसंघ-भाजपा की सत्ता सीढ़ियां बनी थी।

मथुरा-वृंदावन के इन फेमस मंदिरों भव्य तरीके से खेली जाती है होली, आप भी कर आएं दर्शन

अगर आप भी इस होली मथुरा-वृंदावन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां के कुछ फेमस और प्राचीन मंदिरों के दर्शन जरूर करने चाहिए। ऐसे में आज हम आपको मथुरा-वृंदावन के कुछ प्राचीन मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रंगों का त्योहार होली देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं लोगों ने होली की तैयारियां भी शुरूकर दी हैं। बता दें कि इस बार 14 मार्च 2025 को होली का पर्व मनाया जाएगा। वहीं राधा रानी की नगरी बरसाने में 40 दिन पहले से ही होली शुरू हो जाती है। होली के मौके पर लोगों को लंबी छुट्टियां मिलती हैं, ऐसे में इन छुट्टियों में बहुत सारे लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। मथुरा-वृंदावन में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां पर बेहद भव्य तरीके से होली का पर्व मनाया जाता है। मथुरा-वृंदावन में अलग-अलग तरीके से होली का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में इस बार आप पवित्र और आध्यात्मिक जगह पर जाकर होली का त्योहार मना सकते हैं।

बदले-बदले से 'सरदार' नजर आते हैं

आम आदमी पार्टी की दृष्टि से पंजाब में तो स्थितियां और भी विकराल हैं क्योंकि यहां उसकी सरकार के कार्यकाल में नशा अपनी तमाम सीमाएं तोड़ता दिख रहा है, जबकि पार्टी नशामुक्ति के हिमालयी वायदे करके सत्ता में आई थी।

बदले-बदले से सरकार नजर आते हैं,
अपने ही संगी के साथी नहीं अब,
अपनों से अब बेजार नजर आते हैं।

इस शेयर में अगर 'सरकार' की जगह 'सरदार' लिख दिया जाए तो यह पंक्तियां पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान पर बिल्कुल स्टीक बैठती हैं। कुछ दिन पहले तक अपने चुटकलों से लोगों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर देने वाले भगवंत मान अब उत्तर प्रदेश के योगी के अंदाज में दिखने लगे हैं। नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, दिन में हड़ताली राजस्व अधिकारियों को सीधा-सीधा धमकाते हैं कि 'आपको छुट्टी मुबारक' और शाम होते-होते उन्हें निलम्बित कर देते हैं। और तो और किसान नेताओं को यहां तक कहने लगे हैं कि 'बहुत हो चुका अब आपकी ब्लैकमेलिंग और नहीं चलेगी। आप लोगों ने पंजाब को धरना प्रदेश बना कर रख दिया है।' पंजाब में इन दिनों मुख्यमंत्री के व्यवहार में आए बदलाव के कारण खोजे जा रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकारों का मानना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हुई पराजय के बाद पंजाब का नेतृत्व दबाव में है और कुछ कर दिखाने की कोशिश कर रहा है। चूंकि राज्य में 'आप' की क्रान्तिकारी सरकार अपना आधे से अधिक कार्यकाल पूरा कर चुकी है परन्तु उपलब्धि के नाम पर सरकार के हाथ खाली-खाली से लगते हैं। क्रान्ति अब भ्रान्ति लगने लगी है। पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार की छायाप्रति ही रही है। पंजाब में भी दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर आम आदमी क्लीनिक खोले गए, मनीष सिसोदिया के आदर्श स्कूलों की कॉपी करते हुए स्कूल आफ एमिनेंस खोले गए। पंजाब के मंत्री दिल्ली वालों की तरह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनवाते नहीं अघाते परन्तु दिल्ली के विकास मॉडल के धड़ाम होने के बाद पंजाब का नेतृत्व भी सन्न है। आम आदमी पार्टी की दृष्टि से पंजाब में तो स्थितियां और भी विकराल हैं क्योंकि यहां उसकी सरकार के कार्यकाल में नशा अपनी तमाम सीमाएं तोड़ता दिख रहा है, जबकि पार्टी नशामुक्ति के हिमालयी वायदे करके सत्ता में आई थी।

पर आज राज्य में आए दिन कहीं न कहीं नशे की ओवरडोज मौत होने की खबरें मिलती रहती हैं। कुछ जगह पर तो आठ-दस साल के बच्चों के भी नशे करने की खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। राज्य में आटे की तरह चिट्टा (हेरोइन) बिक रहा है। नशा महिषासुर राक्षस बन चुका है जिसको जितना मारो उसके रक्त की हर बून्द से नए-नए महिषासुर पैदा हो रहे हैं। पुलिस आए दिन भारी मात्रा में नशा पकडने का दावा करती है परन्तु इसके बावजूद पंचनद की धरती पर नशे का छठा दरिया बहता दिखाई देता है। राज्य का सरकारी कर्ज निरंतर बढ़ रहा है तो महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये देने का चुनावी वायदा विपक्षी दल भूलने नहीं दे रहे।

कहते हैं कि एक बार मुल्ला जी ने नदी में बहते हुए रीछ को कम्बल समझ कर पकड़ लिया, पर कुछ ही देर बाद हालत यह हो गई कि मीयां जी तो कम्बल को छोडना चाहें पर अब कम्बल मीयां जी को ना छोड़े। यही हालत किसान संगठनों को लेकर भगवंत मान सरकार की होती दिख रही है। दिल्ली में चले किसान आन्दोलन के दौरान आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलनकारी किसानों को केवल समर्थन ही नहीं दिया बल्कि लंगर-पानी तक पहुंचाने का काम भी किया। समय बदला, अब वही किसान संगठन आम आदमी पार्टी की सरकार के लिए सिरदर्द बनते दिख रहे हैं। साल पहले किसानों के नए आंदोलन के तहत दिल्ली कूच करते हुए हरियाणा पुलिस ने आंदोलनकारियों को पंजाब-हरियाणा की सीमा शम्भू बार्डर पर ही रोक दिया था। आन्दोलनकारी किसान तब से वहां पक्का मोर्चा लगाए बैठे हैं। यह आंदोलन अब राज्य के विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन रहा है। पंजाब की औद्योगिक नगरियां अमृतसर, जालन्धर, लुधियाना इसी मार्ग से दिल्ली के साथ जुड़ी हैं परन्तु रास्ता बंद होन के कारण न तो कारखानों को कच्चा माल आसानी से सप्लाई हो रहा है और न ही तैयार माल ठिकानों पर पहुंचाया जा सकता है। वैकल्पि मार्ग अपनाने से माल की लागत बढ़ रही है जिससे पंजाब के उद्योगपति पिछड़ रहे हैं। दिल्ली जाने के लिए आम लोगों को भी गांवों के कच्चे मार्गों से हो कर गुजरना पड़ता है। इससे पंजाब का उद्योग चरमराता जा रहा है, मुख्यमंत्री कई बार देश के बड़े धनपतियों से मिल कर राज्य में नये निवेश का आमंत्रण दे चुके हैं परन्तु जब पहले से स्थापित उद्योग किसान आंदोलनकारियों के कारण त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहे हों तो भला नया उद्योग कैसे राज्य में आए। पंजाब के उद्योगपति व व्यवसाई कई बार मुख्यमंत्री से भेंट कर इसका स्थाई हल निकालने की मांग कर चुके हैं पर कोई रास्ता निकलता नजर नहीं आ रहा, तो ऐसे में सरदार जी का बदलना समझ आता है। कुछ विश्लेषक सरदार जी के बदलाव के पीछे पार्टी की आंतरिक राजनीतिक को भी कारण मान रहे हैं। सत्ता के गलियारों में चर्चा है कि दिल्ली में कमरतोड़ पराजय के बाद राजनीतिक रूप से बेरोजगार हो चुके अरविंद केजरीवाल अब पंजाब में अपनी सम्भावनाएं खोज रहे हैं। लुधियाना में आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत गोगी के देहांत के बाद वहां रिक्त हुई सीट पर उपचुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी ने वहां के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार घोषित किया है। इससे राज्य में इस चर्चा को बल मिला है कि खुद अरविंद केजरीवाल यहां से राज्यसभा जाने की इच्छा रखते हैं। भगवंत मान शायद अधिक अच्छे से जानते हैं कि राज्यसभा व लोकसभा की टिकटें बांटने वाले केजरीवाल पंजाब में केवल सांसद बनने के लिए नहीं आरहे, वे कुछ और चाहते हैं। अगर सरदार जी की सरकार यूं ही ढचक-ढचक शैली में चलती रही तो उनकी कुर्सी को खतरा हो सकता है। शायद यही कारण है कि भगवंत मान आज 'कमेडियन' से 'कर्मयोगी' बनने की कोशिश में सख्ती दिखा रहे हैं। अंत में यही कहा जा सकता है कि ...

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में साइड बिजनेस कर सकते हैं, जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी।

वृष राशि: आज आपका दिन भाग्यशाली रहेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं का समाधान मिलेगा। नौकरी में मनपसंद जगह ट्रांसफर हो सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन सुखद रहने वाला है। आपके लिए जमीन या मकान खरीदने के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला होगा। नई नौकरी मिलने की संभावना है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को मनचाहे परिणाम मिलने की उम्मीद है। वैवाहिक जीवन में खुशियां आएंगी, कहीं डिनर पर जाएंगे।

सिंह राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को प्रमोशन के चांसेस हैं। अच्छे पद पर कहीं ट्रांसफर के योग बने हुए हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र किसी प्रोजेक्ट पर काम करेंगे,

कन्या राशि: आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल माहौल बना रहेगा। उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को उचित अवसर मिलेंगे। आप अपनी टीम के अच्छे लीडर के रूप में उभर कर सामने आएंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन लाभदाई रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको किसी पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आज आपके नए-नए लोगों से संपर्क जुड़ेंगे, जिससे आपके करियर में लाभ होगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके रुके हुए कार्यों की गति बढ़ेगी। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत है। आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल पर जा सकते हैं।

धनु राशि: आपके लिए बदलाव लाने वाला दिन है। आपके कार्यों की कार्यस्थल पर सराहना होगी। आज आप किसी से भी उलझने बचे। आप अपने माता-पिता के साथ किसी आध्यात्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

मकर राशि: आज आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। सिनेमा जगत से जुड़े लोगों को अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलने के योग बने हुए है।

कुंभ राशि: आपके लिए आज का दिन शुभ फलदाई साबित होगा। बिजनेस में नये काम के अवसर प्राप्त होंगे। यात्राओं से लाभ मिलने के संकेत है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। ००

बिहार में चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने आज दिव्यांग अधिकार सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के 11 साल और नीतीश कुमार की सरकार के 20 साल हो गए, लेकिन उन्होंने कभी भी दिव्यांगों के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं की या हल करने की कोशिश नहीं की। मैं इस सरकार के लिए कुछ पंक्तियां कहना चाहूंगा, सरकार खटारा, सिस्टम नकारा; मुख्यमंत्री है थका हारा, दिव्यांग फिर रहा मारा मारा।

औरंगजेब की तारीफ पड़ गई भारी, विधानसभा से सस्पेंड हुए सपा विधायक अबू आजमी

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र विधानसभा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी को मुगल शासक औरंगजेब पर दिए गए एक विवादास्पद बयान के कारण पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। यह निलंबन बुधवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद किया गया।

संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने अबू आजमी के निलंबन का प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन ने ध्वनि मत से पारित कर दिया। यह कार्रवाई अबू आजमी द्वारा छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित फिल्म 'छावा' को लेकर दिए गए एक बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने औरंगजेब को एक अच्छा प्रशासक बताया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुधीर मुंगंटीवार ने इस निलंबन पर और कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अबू आजमी को न केवल इस सत्र के लिए, बल्कि हमेशा के लिए विधायक पद से निलंबित कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, हम छत्रपति शिवाजी महाराज की पूजा करते हैं और उनका अपमान करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

अबू आजमी ने हाल ही में 'छावा' फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों के चित्रण की आलोचना करते हुए कहा था कि औरंगजेब एक न्यायप्रिय शासक था। उन्होंने यह भी दावा किया कि औरंगजेब के शासनकाल में भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था और उसने कई मंदिरों का निर्माण कराया था। उनके इन बयानों को कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इतिहास का गलत चित्रण और महान मराठा शासकों का अपमान बताया है।

अबू आजमी को यूपी भेज दो, इलाज हम कर देंगे, औरंगजेब के बयान पर सपा पर बरसे सीएम योगी

लखनऊ, (आरएनएस)। मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आज़मी पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमकर आक्रोश निकाला। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अबू आजमी को पार्टी से बाहर निकालो और नहीं तो यूपी भेज दो, बाकी ऐसे लोगों का उपचार हम अपने आप करवा देंगे।

यूपी विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, उस व्यक्ति को (समाजवादी) पार्टी से निकालो और यूपी भेज दीजिए, बाकी इलाज हम अपने आप करवा देंगे। जो व्यक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज की परंपरा पर गर्व करने के बजाय लज्जा महसूस कर रहा हो और औरंगजेब को अपना नायक मान रहा हो, क्या उसे भारत के अंदर रहने का अधिकार होना चाहिए? समाजवादी पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, एक तरफ आप महाकुंभ को दोष देते रहते हैं, दूसरी तरफ आप औरंगजेब जैसे क्रूर व्यक्ति की प्रशंसा करते हैं, जिसने देश के मंदिरों को नष्ट किया हो। आप अपने उस विधायक को नियंत्रित क्यों नहीं कर सकते? आपने उसके बयान की निंदा क्यों नहीं की?

उन्होंने यह भी कहा कि शाहजहां ने अपनी जीवनी में लिखा है कि तुमसे (औरंगजेब) अच्छे तो हिन्दू हैं, जो माता-पिता की जीवित रहते तो सेवा करते ही हैं। उनकी मृत्यु के पश्चात उन्हें तर्पण के माध्यम से जल तो देते हैं।

महाकुंभ का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जिसकी जैसी दृष्टि थी, उसको वैसी ही सृष्टि प्रयागराज में देखने को मिली।

उधर, औरंगजेब की तारीफ करने पर सपा नेता अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है। महाराष्ट्र के संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सदन के पटल पर अबू आजमी के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन ने पारित कर दिया।

दिल्ली के उपरा%यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद योगेंद्र चंदोलिया और शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने नई दिल्ली में भलस्वा लैंडफिल साइट पर बांस रोपण अभियान का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के वनतारा में वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र का उद्घाटन और दौरा करते हुए.

अब 9 घंटे नहीं, 36 मिनट में होगी केदारनाथ की यात्रा, मोदी सरकार ने इस बड़े प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड में स्थिति तीर्थ स्थल बाबा केदारनाथ तथा सिखों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को रोपवे की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 6811 करोड रुपए की लागत की दो परियोजनाओं के निर्माण को आज मंजूरी प्रदान की। केदारनाथ जाने में एक तरफ से कम से कम 9 घंटे का समय लगता है। रोपवे बन जाने के बाद यह यात्रा 36 मिनट में होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की आज यहां हुई बैठक में इन दोनों परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्टॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन परियोजनाओं पर डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण-डीबीएफओटी मोड पर काम कराया जाएगा जिन्हें चार से छह वर्ष के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों रोपवे परियोजनाओं को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा बनाया जाएगा।

वैष्णव बताया कि उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ 12.9 किलोमीटर लम्बी रोपवे परियोजना के निर्माण पर 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। रोपवे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह परियोजना सबसे उन्नत ट्राई-केबल डिटेचेबल गोंडोला-3एस तकनीक पर आधारित होगा जिसकी डिजाइन क्षमता 1800 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा होगी,जो प्रति दिन 18 हजार यात्रियों को लाने ले जाने में सक्षम होगी। एक गोंडोला मिनी बस के समान होगा जिसमें एक बार में 36 यात्री सवारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि रोपवे निर्माण से केदारनाथ की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चढ़ाई में लगने वाला 8 से 9 घंटे की अवधि घटकर महज 36 मिनट रह जाएगी। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करने और सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में 3,583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ में 6 से 7 महीने में हर साल लगभग 20 लाख तीर्थयात्री पहुंचते हैं। रोपवे के निर्माण से यह संख्या 23 लाख हो जाएगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे परियोजना को भी डीबीएफओटी मोड पर तैयार किया जाएगा। इसमें 10.55 किलोमीटर तक गोविंदघाट से घांघरिया तक और 1.85 किलोमीटर घांघरिया से हेमकुंड साहिब तक बनाया जाएगा। इस परियोजना पर 2730.13 करोड़ रुपए लागत आने का अनुमान है। करीब 15 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब की यात्रा गोविंदघाट से 21 किमी की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है।

चमोली गोविंदघाट में दरकी पहाड़ी, भूस्खलन से हेमकुंड साहिब को जोड़ने वाला पुल ध्वस्त

चमोली (उत्तराखंड), (आरएनएस)। सीमांत जिला मुख्यालय चमोली के चाइना बॉर्डर पर गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जाने वाला पुल भूस्खलन से ध्वस्त हो गया है. बुधवार सुबह गोविंदघाट में हेमकुंड साहिब व फूलों की घाटी जाने वाला मुख्य पुल चट्टान का बड़ा हिस्सा टूटकर गिरने से ध्वस्त हो गया है. पुल ध्वस्त होने से पुलना, घांघरिया, भ्यूंडार, हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी की आवाजाही पूर्ण रूप से बंद हो गई है. वहीं दर्जनों वाहन अलकनंदा नदी के उस पार फंसे गए हैं.

चमोली जनपद के गोविंदघाट में हेमकुंड साहिब को जोड़ने वाला एक मात्र मोटर पुल भूस्खलन से ध्वस्त हो गया है. बताया जा रहा है कि पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा गिरने से पुल को काफी नुकसान पहुंचा है. पुल क्षतिग्रस्त होने से पुलना, लोकपाल घाटी का संपर्क ब्लॉक मुख्यालय समेत देश दुनिया से कट गया है.

बताते चलें कि गोविंदघाट गुरुद्वारे के समीप अलकनंदा नदी के ऊपर ये ब्रिज बना था. पुल ध्वस्त होने से भ्यूडार-पुलना गांव का संपर्क भी जोशीमठ से कट गया है. घटना की सूचना पर एसडीएम जोशीमठ चंद्र शेखर वशिष्ट गोविंदघाट पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया.

भारतीय राजस्व सेवा (78वें बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

दिल्ली में आहार मेले का चिराग पासवान ने किया उद्घाटन, 22 देशों के लोगों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के भारत मंडपम में 39 वें आहार अंतरराष्ट्रीय खाद्य एवं आतिथ्य मेले 2025 मेले का आगाज मंगलवार को हुआ. यह मेला 8 मार्च तक चलेगा. मेले का उद्घाटन केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने किया.

इस अवसर पर भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप सिंह खरोला, कार्यकारी निदेशक प्रेमजीत लाल, विदेशी प्रतिनिधि एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे. पहली बार मेले का आयोजन 1,12,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में किया जा रहा है, जिसमें खाद्य उद्योग की से जुड़ी सभी वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है. यह मेला बी 2 बी मेला है. इस बार मेले में 22 देशों के 80 प्रतिभागी इसमें भाग ले रहे हैं. साथ ही 1700 अन्य प्रतिभागी भी हिस्सा लेंगे. मेले का आयोजन 1, 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 12, 12 ए और 14 नंबर हॉल में किया गया है. कार्यक्रम में चिराग पासवान ने कहा, एक दिन ऐसा आना चाहिए जब दुनिया भर में हर खाने की मेज पर एक भारतीय व्यंजन हो. भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप सिंह खरोला ने कहा कि आहार मेले के इस संस्करण में कई विशेषताएं हैं. इसका आयोजन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय और आईटीपीओ द्वारा कई सक्रिय एवं प्रभावशाली संघों की मदद से किया गया है.

आपराधिक मानहानि मामले में मेधा पाटकर की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के साकेत कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने दिल्ली के उप-राज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दाखिल आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी करार दिए गए नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर की सजा को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. एडिशनल सेशंस जज विशाल सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया. सुनवाई के दौरान वीके सक्सेना की ओर से पेश वकील ने कोर्ट से मेधा पाटकर को आत्मसमर्पण करने का निर्देश देने का आग्रह करते हुए कहा था कि पाटकर की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है. उन्होंने कहा था कि इसे खारिज किया जाना चाहिए क्योंकि मेधा पाटकर की याचिका पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं. बता दें कि 27 जुलाई 2024 को सेशंस कोर्ट ने जुडिशियल मजिस्ट्रेट के फैसले पर रोक लगाते हुए वीके सक्सेना को नोटिस जारी किया था. मेधा पाटकर ने जुडिशियल मजिस्ट्रेट की ओर से दी गई पांच महीने की कैद और दस लाख रुपये के जुर्माने की सजा को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है. जुडिशियल मजिस्ट्रेट ने 1 जुलाई 2024 को मेधा पाटकर को सजा सुनाई थी. जुडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में अधिकतम सजा दो साल की होती है, लेकिन मेधा पाटकर के स्वास्थ्य को देखते हुए पांच महीने की सजा दी जाती है. कोर्ट ने इस सजा पर 30 दिनों तक निलंबित रखने का भी आदेश दिया था. कोर्ट ने मेधा पाटकर को भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के तहत दोषी करार दिया था. कोर्ट ने कहा था कि ये साफ हो गया है कि आरोपी मेधा पाटकर ने सिर्फ प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए वीके सक्सेना के खिलाफ गलत जानकारी के साथ आरोप लगाए.

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में पुलिस चौकी के पास ग्रेनेड हमला, सुरक्षा बलों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

बारामूला (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बीती रात एक पुलिस चौकी के पास हमले की खबर है. हालांकि, इसमें किसी जानमाल को नुकसान नहीं पहुंचा. घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया.

जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक बयान के अनुसार बारामूला में एक संदिग्ध ग्रेनेड हमले की सूचना मिली. यह घटना मंगलवार रात लगभग सवा 9 बजे के करीब हुई. पुलिस के अनुसार बारामूला के ओल्ड टाउन पुलिस पोस्ट के पीछे से धमाके जैसी आवाज सुनाई दी. इससे लोगों में दहशत फैल गई. इसकी सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई. आनन-फानन में पुलिस दलों ने तुरंत अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान देर रात पुलिस चौकी के पीछे चारदीवारी के बाहर एक ग्रेनेड पिन जैसी वस्तु बरामद की गई. पुलिस को संदेह है कि यह ग्रेनेड हमले का प्रयास था. इस विस्फोट में कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ.

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में 'आंतरिक सुरक्षा और आपदा राहत कार्यों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों' पर गृह मंत्रालय और डीआरडीओ सहयोग सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी के उद्घाटन में शामिल हुए।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में भारत के पहले हाइड्रोजन ट्रक को हरी झंडी दिखाई.

विजय वाड्डेटीवार ने अजीत पवार गुट में शामिल होने की खबरों को किया खारिज

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक विजय वाड्डेटीवार को लेकर चर्चा चल रही है कि वह एनसीपी नेता अजीत पवार के संपर्क में हैं।

सूत्रों के मुताबिक वाड्डेटीवार और पवार के बीच बातचीत हो रही है और यह कयास लगाए जा रहे हैं कि विजय वाड्डेटीवार जल्द ही अजीत पवार के गुट में शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस नेता और विधायक विजय वाड्डेटीवार ने इन खबरों को सिरे से नकारते हुए इसे अफवाह बताया। वाड्डेटीवार ने कहा, ये सब अफवाहें हैं, मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। जिस पार्टी का कोई भविष्य नहीं है, उस पार्टी में क्यों जाऊं?

उन्होंने आगे कहा, इससे पहले मेरी खबर चल रही थी कि मैं बीजेपी में शामिल होने वाला हूं, लेकिन अब फिर से ऐसी अफवाहें फैल रही हैं। ये सब झूठ है, मनगढ़ंत कहानी है। मैं कांग्रेस छोड़ने के बारे में सपने में भी नहीं सोच सकता। मैं ऐसी पार्टी में क्यों शामिल होऊंगा, जिसका कोई भविष्य नहीं है? मेरी विचारधारा कांग्रेस से गहराई से जुड़ी हुई है। मैंने किसी से बात नहीं की है और न ही मुझे कोई प्रस्ताव मिला है। मैं कांग्रेस का वफादार सिपाही हूं, चाहे मेरे पास कोई भी ताकत या पद हो। चाहे राज्य में कांग्रेस की सरकार आए या नहीं, मैं कांग्रेस के साथ हूं और कांग्रेस में ही रहूंगा।

विजय वाड्डेटीवार का नाम एनसीपी नेता अजीत पवार के साथ जुड़ने से कई तरह की राजनीतिक अटकलें और अनुमान लगाये जा रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने खुले तौर पर अपनी नराजगी का इजहार किया था।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक विजय वडेट्टीवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार का प्रमुख कारण सीट शेयरिंग में हुई देरी को बताया था। उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे पर समझौता होने में हुई देरी के कारण पार्टी को चुनाव प्रचार के लिए बहुत कम समय मिल पाया।

वाड्डेटीवार ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते सीट शेयरिंग का फैसला हो जाता, तो कांग्रेस को चुनाव प्रचार की बेहतर योजना बनाने और उसे प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने का समय मिलता। चुनाव प्रचार की कोई स्पष्ट योजना नहीं बन पाई क्योंकि हमें प्रचार की शुरुआत के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला।

विख्यात फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने शुक्रवार को अपना 70 वां जन्मदिन यहां जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि हरिहर आश्रम में अपने परिवार और दोस्तों के साथ मनाया। इस अवसर पर उनके करीबी मित्र एवं अभिनेता अनिल कपूर पत्नी सुनीता के साथ मौजूद थे। इस मौके पर खेर ने आश्रम के पारद शिवलिंग का अभिषेक किया।

दक्षिण भारतीय फिल्म में डेब्यू के लिए तैयार सोनाक्षी सिन्हा, जल्द शुरु होगी शूटिंग

बॉलीवुड में 'दबंग', 'तेवर' जैसी फिल्में देने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री तेलुगू भाषा की फिल्म 'जटाधारा' में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

'जटाधारा' में सुधीर बाबू भी हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इंडस्ट्री के सूत्रों ने अभिनेत्री के फिल्म में शामिल होने के संकेत दिए हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक मजबूत और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है।

अपकमिंग फिल्म 'जटाधारा' के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, 'पुष्पा 2: द रूल' के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए।

मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की।

'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। 'जटाधारा' की पौराणिक कथाओं के साथ कहानी को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है।

फिल्म के बारे में सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए

रोमांचित हूं। जटाधारा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा।

'जटाधारा' के मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा के पास 'जटाधारा' के अलावा 'तू है मेरी किरण' भी है, जिसमें वह पति-अभिनेता जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा के पास 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' भी है।

गणेश आचार्य ने अनाउंस की नई फिल्म सिर्फ तुम

फिल्म इंडस्ट्री के सफल निर्माता-कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने नई रोमांटिक-एंटरटेनर फिल्म 'सिर्फ तुम' की घोषणा की है। प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म का निर्देशन दिग्गज दीपक शिवदासानी करेंगे। गणेश आचार्य के वी2एस प्रोडक्शन ने फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि वह बेहद उत्साहित हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए गणेश आचार्य ने कैप्शन में लिखा, मकर संक्रांति और पोंगल की शुभकामनाएं। इस शुभ दिन पर मैं पेश कर रहा हूं सिर्फ तुम एक अनोखी प्रेम कहानी। फिल्म की कहानी को दिग्गज दीपक शिवदासानी ने लिखा और निर्देशित किया है। दीपक को 'बागी', 'गोपी किशन', 'भाई' और 'कृष्णा' जैसी लोकप्रिय फिल्मों में उनके शानदार काम के लिए जाना जाता है।

रिवीलिंग लहंगा पहन रकुल प्रीत सिंह दिखीं बला की खूबसूरत, लेटेस्ट तस्वीरों ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना रकुल प्रीत सिंह अक्सर अपने लेटेस्ट लुक्स को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने

गोल्डन कलर का रिवीलिंग स्टाइलिश गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

गले में नेकलेस, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये ग्लैमरस अवतार देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

द पैराडाइज से नानी की पहली झलक आई सामने, रिलीज पर्दा से भी उठ गया पर्दा

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी काफी समय से अपनी आगामी फिल्म द पैराडाइज को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान श्रीकांत ओडेला ने संभाली है। दशहरा के बाद यह श्रीकांत और नानी के बीच दूसरा सहयोग है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सुधाकर चेरुकुरी इस फिल्म के निर्माता हैं। अब आखिरकार द पैराडाइज से नानी की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमे उनका धांसू अवतार दिख रहा है। द पैराडाइज एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज किया जाएगा। खास बात यह है कि यह फिल्म अंग्रेजी और स्पेनिश भाषा में भी दर्शकों के बीच आएगी। द पैराडाइज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 26 मार्च, 2026 को रिलीज होगी। फिल्म द पैराडाइज का हाल ही में जो वीडियो रिलीज किया गया है उसकी थीम डार्क है। फिल्म का वीडियो एक वॉइस ओवर से शुरू होता है। इसमें एक महिला बोलती है इतिहास में सब लोगों ने तोते और कबूतरों के बारे में लिखा लेकिन उसी जाति में पैदा हुए कौओं के बारे में नहीं लिखा। ये क्रोधित हुए उन कौओं की कहानी है। ये जमाने से बिछाई गई उन लाशों की कहानी है। मां की छाती से दूध नहीं निकला तो खून पिला कर परवरिश हुई उस जाति की कहानी है। एक जिसने आकर पूरी जाति में जोश लाया। थूके जाने वाले कौओं ने तलवार अपना ली। ये नुचे हुए कौओं को जोड़ने वाली एक औलाद की कहानी है। मेरा बेटा नायक बना वह कहानी है। द पैराडाइज फिल्म समाज से बहिष्कृत एक निडर नेता के नेतृत्व में उत्पीड़ित वर्ग के विद्रोह की कहानी है। जारी वीडियो में कई जगहों पर आग जलने के दृश्य दिखाए गए हैं। इसके साथ कौओं के नाचने के दृश्य दिखाए गए हैं। वीडियो में कई जगहों पर लोग नाच रहे हैं, जश्न मना रहे हैं। वीडियो के आखिर में गोली चलने की आवाज आती है। नानी के अलावा इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रीकांत ओडेला एक युवा निर्देशक हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म दसारा से ही अपनी छाप छोड़ी थी, जिसमें नानी मुख्य भूमिका में थे।

विष्णु मंचू, अक्षय कुमार, प्रभास की फिल्म कन्नप्पा का टीजर रिलीज, 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

साउथ स्टार विष्णु मंचू अपनी आगामी फिल्म कन्नप्पा को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं. टॉलीवुड की सबसे बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक, कन्नप्पा का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है. यह न-वर्ल्ड पौराणिक ड्रामा अप्रैल 2025 में रिलीज होगी. रिलीज से लगभग 2 महीने पहले मेकर्स ने फिल्म का दूसरा टीजर जारी किया है, जो काफी दमदार है. बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियस एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर पर कन्नप्पा का दूसरा ऑफिशियल टीजर जारी किया है और कैप्शन में लिखा है, उन्होंने दिव्यता को आंखों से नहीं, बल्कि अटूट भक्ति से देखा. साहस, प्रेम और भाग्य की एक टाइमलेस सागा शुरू होती है. टीजर की शुरुआत काली माता से होती है. टीजर में एक युद्ध की झलक दिखाई गई है, जिसकी अगुवाई विष्णु मंचू का किरदार, जिसका नाम थिनाणु है, कर रहे हैं. वह दुश्मनों के खिलाफ अपनी सेना तैयार कर रहे हैं. टीजर-2 में कई कलाकारों को झलक दिखाई गई, जिसमें काजल अग्रवाल मां पार्वती के किरदार में नजर आ रही है. वहीं, अक्षय कुमार को भगवान शिव और प्रभास को रूद्र के अवतार में दिखाया गया है. मुकेश कुमार सिंह की निर्देशित फिल्म कन्नप्पा में विष्णु मंचू अहम भूमिका में हैं. उनके अलावा फिल्म में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार, साउथ फिल्म इंडस्ट्री के रिबेल स्टार प्रभास, मोहनलाल, मोहन बाबू, सरथकुमार, अर्पित रांका, काजल अग्रवाल, प्रीति मुकुंदन, मधू जैसे कई बड़े कलाकार शामिल हैं. बता दें, अक्षय कुमार कन्नप्पा से तेलुगू फिल्म में डेब्यू कर रहे हैं. फिल्म में अक्षय कुमार भगवान शिव का किरदार निभाते नजर आएंगे. जबकि प्रभास रुद्र की भूमिका अदा करेंगे. 24 फ्रेम्स फैक्ट्री और एवा एंटरटेनमेंट के संयुक्त रूप से निर्मित, कन्नप्पा में स्टीफन देवसी और मणि शर्मा ने म्यूजिक दिया है. कन्नप्पा को तेलुगू भाषा में सूट किया है. जबकि इसे हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और इंग्लिश में डब किया है. यह पौराणिक फिल्म 25 अप्रैल 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

वेब सीरीज खाकी: द बंगाल चैप्टर का ऐलान, खून या कानून; किसकी होगी जीत?

नीरज पांडे के निर्देशन में बनी वेब सीरीज खाकी: द बिहार चैप्टर को काफी पसंद किया गया था। इसमें करण टैकर, रवि किशन, अविनाश तिवारी, अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

यह सीरीज 25 नवंबर, 2022 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब लगभग 2 साल बाद खाकी: द बिहार चैप्टर के दूसरे सीजन का ऐलान हो गया है, जिसका नाम खाकी: द बंगाल चैप्टर रखा गया है।

खाकी: द बंगाल चैप्टर का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।

सिकंदर के पहला गाने का टीजर आया सामने, सलमान खान के लिए जोहरा जबीं रश्मिका मंदाना

सलमान खान ने ईद 2025 पर अपने फैंस का फुल मनोरंजन का करने प्लान बना लिया है. इस ईद सलमान खान अपने फैंस के लिए साल 2025 की मास एक्शन फिल्म सिकंदर से सिल्वर स्क्रीन पर लौट रहे हैं. सिकंदर से रिलीज पोस्टर और टीजर ने सलमान खान के फैंस की फिल्म के प्रति बेचैनी बढ़ा दी है और अब सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीं आज रिलीज होने के लिए तैयार है. 3 मार्च को दूसरे रमजान में सिकंदर के पहले गाने जोहरा जबीं का टीजर जारी कर दिया गया है. जोहरा जबीं एक पार्टी थीम सॉन्ग नजर आ रहा है, जो रमजान के महीने में चार चांद लगा देगा. जोहरा जबीं के टीजर में सलमान खान का प्योर भाईजान लुक देखने को मिल रहा है. सलमान खान ने सिल्वर कढ़ाई वाला ब्लैक कुर्ता पायजामा पहना हुआ है. इस लुक में सलमान खान बेहद डैशिंग दिख रहे हैं और अब इस रमजान सलमान खान का यह कुर्ता उनके फैंस भी सिलवाने वाले हैं.

प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भवती महिलाएं अपने डाइट में शामिल करें ये फूड आइटम्स, जच्चा-बच्चा दोनों रहेंगे हेल्दी

गर्भवती होना हर महिला के लिए एक खास एहसास होता है. ऐसे में इस समय अपनी सेहत का ख्याल रखना ज्यादा जरूरी है. गर्भावस्था के दौरान जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं, क्योंकि इस दौरान मां के गर्भ में बच्चा भी बढ़ रहा होता है, जिसकी पूरी देखभाल की जरूरत होती है. इसलिए, गर्भावस्था के दौरान उचित आहार लेना बहुत महत्वपूर्ण है. ताकि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ रह सकें.

गर्भवती महिलाओं द्वारा इन खाद्य पदार्थों को खाने से उनके शरीर में आयरन के स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है.

* गर्भावस्था के दौरान आवश्यक खाद्य पदार्थ* खजूर, अंजीर और किशमिश: खजूर, अंजीर और किशमिश आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन ए और सी से भरपूर होते हैं. गर्भवती महिलाओं को ऊर्जा और आयरन के स्तर को बनाए रखने के लिए 2-3 खजूर, 2 अंजीर और एक चम्मच किशमिश को रात भर भिगोकर सुबह खाना चाहिए.

* आंवला, चुकंदर और गाजर: चुकंदर और गाजर आयरन से भरपूर होते हैं, जबकि आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है. आंवले में मौजूद विटामिन सी अन्य दो से आयरन के स्तर को बढ़ाता है. इसलिए, तीनों को एक साथ खाने से गर्भवती महिलाओं के शरीर में आयरन का स्तर बढ़ सकता है.* नारियल: नारियल में आयरन प्रचुर मात्रा में होता है. इसलिए, खजूर को लड्डू के रूप में खाने, नारियल को गुड़ के साथ खाने या नारियल पानी के रूप में पीने से एनीमिया से लड़ने और हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद मिलती है. यह सीने में जलन और कब्ज को भी रोक सकता है.

* अनार: अनार में विटामिन के, विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है. वैसे तो कई ऐसे फल हैं जिनमें आयरन की मात्रा अधिक होती है, लेकिन विशेषज्ञ एनीमिया के लिए अनार खाने की सलाह देते हैं. क्योंकि इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है. चूंकि अनार में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता है, इसलिए हमारा शरीर इसमें मौजूद आयरन को आसानी से अवशोषित कर लेता है.

* हरी मूंग दालें: मूंग दालों में फोलेट होता है। इसमें आयरन, प्रोटीन और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में होता है. जो गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के लिए अधिक आवश्यक है. इसलिए अधिकतम लाभ के लिए, कच्चे अंकुरित अनाज के बजाय उन्हें पकाकर खाएं.

* भुने हुए चने: चने में 22 फीसदी आयरन होता है. जिससे शरीर में लाल रक्त कणिकाओं की संख्या बढ़ती है. इससे गर्भावस्था के दौरान थकान और मतली से कुछ राहत मिलती है.* चने: चने में आयरन, कैल्शियम और फोलेट जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो बच्चे के स्वस्थ विकास और मां के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं.

* बादाम: बादाम में मौजूद आयरन प्रतिरक्षा और हृदय के विकास में सुधार करने में मदद करता है. इससे मां के शरीर से बच्चे तक ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद मिलती है. यह गर्भवती महिलाओं को थकान से राहत दिलाने में भी मदद करता है.

रोजमर्रा की कई समस्याओं का समाधान बन सकता है नींबू के छिलकों का इस्तेमाल, जानें कैसे

नींबू का उपयोग तो हम सभी करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके छिलके भी बहुत काम आ सकते हैं?

नींबू के छिलके में कई ऐसे गुण होते हैं, जो हमारे रोजमर्रा के कुछ कामों को आसान बना सकते हैं।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप नींबू के छिलकों का सही तरीके से उपयोग कर सकते हैं। ये टिप्स हर किसी के लिए फायदेमंद हो सकती हैं।

घर की सफाई में करें इस्तेमाल

नींबू के छिलके घर की सफाई में बहुत मददगार होते हैं।

अगर आपकी रसोई या बाथरूम में जिद्दी दाग लगे हों, तो नींबू के छिलकों को नमक या बेकिंग सोडा के साथ मिलाकर उन पर रगड़ें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे और सतह चमक उठेगी।

इसके अलावा नींबू का प्राकृतिक एसिडिक गुण बैक्टीरिया को मारने में भी सहायक होता है, जिससे आपका घर स्वच्छ रहता है।

प्राकृतिक एयर फ्रेशनर बनाएं

नींबू के छिलकों से आप एक प्राकृतिक एयर फ्रेशनर बना सकते हैं।

इसके लिए कुछ नींबू के छिलकों को पानी में उबालें और उसमें थोड़ी सी दालचीनी डाल दें। इस मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर इसे स्प्रे बोतल में भरकर कमरे में स्प्रे करें।

इससे आपके कमरे की हवा ताजगी भरी रहेगी और कृत्रिम रसायनों से बचाव होगा। यह तरीका पर्यावरण के अनुकूल है और आपकी जेब पर भी भारी नहीं पड़ेगा।

कपड़ों की खुशबू बढ़ाएं

अगर आपके कपड़े अलमारी या ड्रॉअर में रखे-रखे बदबुदार हो गए हों तो उनमें कुछ सूखे हुए नींबू के छिलके रख दें।

ये छिलके न केवल बदबू को दूर करेंगे बल्कि कपड़ों को एक ताजगी भरी खुशबु भी देंगे, जिससे वे लंबे समय तक महकते रहेंगे।

यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो आर्टिफिशियल सुगंधों से बचना चाहते हैं और प्राकृतिक विकल्प अपनाना पसंद करते हैं।

त्वचा की देखभाल करें

नींबू का छिलका आपकी त्वचा की देखभाल के लिए एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जो त्वचा को निखारने और उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

इसके लिए कुछ सूखे हुए नींबू के छिलकों को पीसकर उसमें थोड़ा-सा शहद मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं।

यह मिश्रण आपकी त्वचा को तरोताजा महसूस कराएगा और उसे प्राकृतिक चमक देगा। इसके नियमित उपयोग से आपकी त्वचा की रंगत में सुधार होगा।

बर्तन चमकाने का उपाय

अगर आपके बर्तन धुंधले और पुराने दिख रहे हों तो उन्हें चमकाने के लिए नींबू का छिलका एक बेहतरीन उपाय हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य - 345

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, दुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादर 9. शोभा, सुंदरता, वसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला, विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

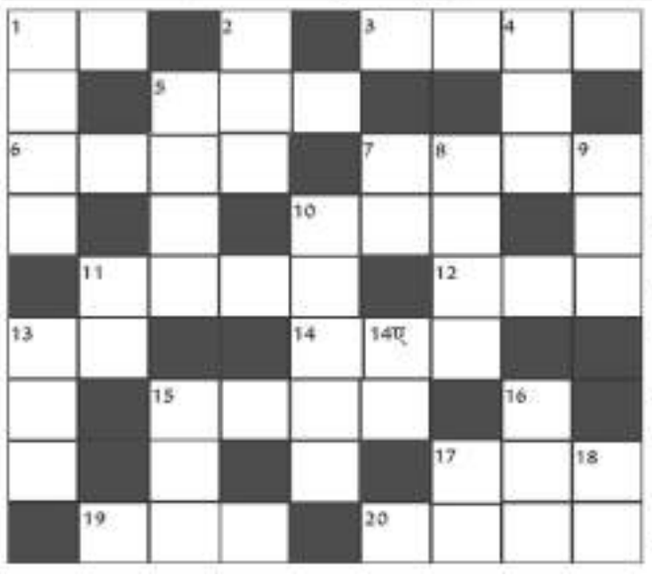

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 344 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दी		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नी	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोराबजार में देर रात्रि विशाल कुमार विरहा उम्र 41 वर्ष निवासी नई बस्ती कजरवारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गोराबजार मोहन स्वीटस के सामने एमपी आनलाईन तथा बैंक आफबड़ोदा का क्योस्क का संचालन करता है वर्ष 2022 में उसके मामा का दामाद सोनू उर्फसंगम पारस उसके मामा की बैटी रूबी पारस की धोबीघाट कालोनी में हत्या कर दिया था उक्त प्रकरण में वह साक्षी है सोनू उर्फसंगम पारस कुछ दिन पहले जेल से जमानत पर आया है दिनांक 4-3-25 को दोपहर लगभग 3 बजे वह अपनी दुकान में था

भारतीय जनता युवा मोर्चा जबलपुर महानगर की जिला कार्यसमिति की बैठक हुई आयोजित

युवा मोर्चा पार्टी की रीढ़ नहीं अब मस्तक के रूप में नेतृत्व कर रहा- रत्नेश सोनकर

संगठन और सरकार के निर्णय को अमल करने और करवाने में युवा मोर्चा सदैव अग्रणी भूमिका का निर्वहन करने तत्पर- योगेंद्र सिंह

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय जनता युवा मोर्चा जबलपुर की जिला कार्यसमिति की बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर के निर्देश पर एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में आयोजित की गई ।जिसमें संगठन कार्यवृत्त,महाकुंभ की सफलता हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लिए अभिनन्दन पत्र एवं आगामी दिनों में संगठन की कार्य रूपरेखा को प्रस्तुत किया गया।भारतीय जनता युवा मोर्चा जबलपुर के द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष रत्नेश सोनकर का स्वागत और अभिनन्दन भी किया गया।इस दौरान भाजपा महामंत्री एवं युवा मोर्चा प्रभारी पंकज दुबे,उपाध्यक्ष जय सचदेवा भी उपस्थित थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा सदैव से पार्टी की रीढ़ रहा है लेकिन हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अब युवाओं को देश का नेतृत्वकर्ता बनाकर रीढ़ से मस्तक बनाने का कार्य किया है। आगामी

समय में संगठन के अनेक कार्यक्रम होने हैं जिसमें युवा मोर्चा की सक्रिय भूमिका रहने वाली है सरकार के समस्त कार्यों को जनता तक ले जाकर उन्हें लाभ दिलाना और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने का कार्य युवा मोर्चा की महत्ती भूमिका से ही होगा मैं आप सब को शुभकामनाएं देते हुए आव्हान करता हूं कि विकसित भारत के निर्माण में आप लोग कमर कस कर जुट जाएं।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ठाकुर ने भाजयुमो के पिछले सारे कार्यक्रमों का एक संक्षिप्त कार्यवृत्त प्रस्तुत किया एवं भाजयुमो जबलपुर के द्वारा किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी इस दौरान योगेंद्र सिंह ने बताया कि भारतीय जनता युवा मोर्चा को संगठन ने जब-जब जिस कार्य को भी सोपे है उसे पूरी निष्ठा ईमानदारी एवं समर्पण के साथ पूर्ण करने में युवा मोर्चा ने कोई कसर नहीं छोड़ी है एवं में अध्यक्ष जी को विश्वास दिलाता हूं कि आने वाले समय में भी जो भी भूमिका या जो भी कार्य युवा मोर्चा को सौंपे जाएंगे उन्हें हम पूरी ईमानदारी और निष्ठा और सक्रियता से करेंगे।

बाजी में जिला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने महाकुंभ की सफलता के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लिए भारतीय जनता पार्टी जबलपुर के मार्गदर्शन में भारतीय जनता युवा मोर्चा जबलपुर के द्वारा एक अभिनंदन पत्र जारी किया गया जिसमें महाकुंभ की वैश्विक सफलता एवं सनातन के पुनरुत्थान पर प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद व्यापित किया एवं भारत विश्व गुरु बने ऐसी कामना की इसे भारत के प्रधानमंत्री जी को भेजा जाएगा इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर का भी विगत महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में कैंप लगाकर लोगों को भोजन, आवास एवं मेडिकल सुविधा प्रदान करने हेतु समस्त भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से अभिनंदन किया गया एवं उनके इस प्रयास एवं कार्य के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया एवं उनका अभिनंदन भी किया गया।कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरीश ठाकुर जय रोहणी मानव घंगोरिया महामंत्री ईशान नायक रौनक अग्रवाल उपाध्यक्ष राहुल कपूर अर्नब तिवारी एवं गोपाल गुप्ता शरद विश्वकर्मा अंकित फ्रांसिस दीपक मंगलानी अंकित पाठक विवेक सिंह आयुष सिंह प्रशांत गुप्ता युवराज यादव अदिति सिंह रणेश खरे समरजीत सिंह परिहार वैभव चौरसिया अभिषेक सराफ ,आकाश रजक पियूष समदड़िया निक्की रजक संतोष बैरागी रिंकू श्रीवास हर्षित राय मोंटी रैकवार शिवम चतुर्वेदी संस्कार जैन आदि पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लाइनमैन दिवस पर एम.पी. ट्रांसको के मेंटेनेन्स कार्मिक दिल्ली में हुये सम्मानित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के 04 मेंटेनेंस कार्मिको को भारत पर्यावस केन्द्र दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस 2025 में कंपनी का प्रतिनिधत्व करने पर सम्मानित किया गया। एम.पी. ट्रांसको की ओर से सहायक अभियंता श्री अंकित मेहरोलिया एवं जबलपुर से मेंटेनेंस कर्मी कमलेश कुमार रंजन, इटारसी से दीपक कोरी एवं माहिदपुर से मानसिंह शामिल हुये, जिन्होंने इस अवसर पर एम.पी. ट्रांसको में ट्रांसमिशन लाइन एवं एक्स्ट्रा हाईटेंशन सबस्टेशनों में किये जा रहे मेंटेनेन्स की कार्यशैली और अपने विभिन्न अनुभवों को साझा किया। श्री अंकित मेहरोलिया ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में ट्रांसमिशन लाइनों की ड्रोन पेट्रोलिंग, वेयर हेंड टेक्निक से किये जा रहे मेंटेनेन्स आदि के विषय में विस्तार से बताया।

गूंज संस्था द्वारा 151 मातृशक्तियों का सम्मान 9 को

जबलपुर ।गूँज अंतर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा माधुरी मिश्रा एवं डॉ. मुकुल तिवारी के संयोजन में श्री जानकीरमण महाविद्यालय में 9 मार्च शाम 6 बजे से महिला दिवस का आयोजन किया गया है ।समारोह में 151 महिलाओं का सम्मान होगा ।द्वितीय सोपान में संगीत स्वर साधिकाओं द्वारा संगीतमय प्रस्तुति की जाएगी ।गूंज संस्था ने कला प्रेमियों एवं महिलाओं से उपस्थिति का आग्रह किया है ।

होली पर गोरखपुर में लगेगा बहुरंगी फागुन मेला

जबलपुर -शिव शक्ति परिवार एवं खाटू श्याम सेवा मित्र मंडल द्वारा गोरखपुर स्थित श्री महाकाल खाटू श्याम धाम में होली पर 2 दिवसीय भव्य और बहुरंगी फागुन मेला का आयोजन किया जाएगा। संयोजक श्री बबलू यादव एवं विक्की मनानी ने बताया कि मेले में फागुनी झूले, घुड सवारी, चौपाटी, एवं रंग गुलाल का आकर्षण होगा ।9 मार्च रविवार को प्रात: 10 बजे निशान यात्रा निकलेगी और 10 मार्च को सायं 6 बजे से भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक नयन कपूर, प्रगति यादव एवं कृष्णा दायमा, नासिक महाराष्ट्र फागुनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को सराबोर करेंगे । उन्होंने उपस्थिति की अपील की

चालू वित्तीय वर्ष के 11 माह में पकड़े गए 3 लाख 2 हजार अनियमित रेलयात्री

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर रेल मंडल द्वारा यात्री गाडियों में चलाये जा रहे सघन टिकिट जाँच अभियान में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है जिसके तहत चालू वित्तीय वर्ष के 11 माह में (1अप्रैल 2024 से 28 फरवरी 2025 तक) में मंडल के टिकिट जांच अभियान ने रिकार्ड 43.30 करोड़ रूपये का राजस्व एकत्रित किया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शशांक गुप्ता के नेतृत्व पर जबलपुर रेल मंडल में मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री नितेश कुमार सोने एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री गुन्नार सिंह की टीम के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में चलाए गए विभिन्न जांच अभियानों के अंतर्गत तथा नियमित टिकट जांच के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा बिना टिकट/अनुचित टिकट एवं बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सघन जांच की गई।

जाँच के दौरान चालू वित्तीय वर्ष के 11 माह में बिना टिकट यात्रा के 3 लाख 2 हजार मामले पकड़े गए, जिनसे रेलवे को रुपये 25.21 करोड़ का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। इसी तरह निम्न दर्जे की टिकिट पर उच्च दर्जे में यात्रा करते हुए 3.17 लाख यात्री पकड़े गए, जिनसे रेलवे को रुपये 17.97 करोड़ का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार यात्रा में निर्धारित मानक से अधिक भार के लगेज को लेकर यात्रा करने के 7023 मामले पकड़े गए, जिनसे रुपये 11.84 लाख का रेल राजस्व प्राप्त हुआ । इस प्रकार दिनांक 01अप्रैल 2024 से 28 फरवरी 2025 तक की गई टिकट जांच के दौरान बिना टिकट/अनियमित टिकट एवं बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करने के पकड़े गए कुल 6 लाख 26 हजार मामले से रेलवे को रुपये 43.30 करोड़ राजस्व की प्राप्ति हुई। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि उचित टिकट लेकर ही रेलों में यात्रा करें, ई-टिकट प्रतीक्षा सूची अथवा प्लेटफॉर्म टिकट लेकर यात्रा न करें। इसी तरह स्टेशन में प्लेटफॉर्म पर प्रवेश के लिए यात्रा टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट होना आवश्यक है। यात्रा से पूर्व अपने सामान को बुक कराएं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर सक्सेना ने पुस्तक मेला के संबंध में स्वयं सेवी संगठनों के साथ की बैठक

एनजीओ बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने में सहायक हों- कलेक्टर सक्सेना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।= कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आज स्वयं सेवी संगठनों की बैठक लेकर कहा कि विद्यार्थियों को सस्ती दर पर पुस्तक, स्टेशनरी व गणवेश उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 25 मार्च से 5 अप्रैल तक शहीद स्मारक प्रांगण में पुस्तक मेला आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस लोकहित के मेले में स्वयं सेवी संगठनों का भी योगदान हो। जिसमें गरीब बच्चों को निःशुल्क पुस्तक, गणवेश, स्टेशनरी मिल सके। एनजीओ चाहे तो एनसीईआरटी की वेबसाइट से उपलब्ध पीडीएफ से पुस्तक प्रिंट करवा कर बच्चों को दान करें, ताकि बच्चों का बेहतर

भविष्य बनाने में वे सहायक हो सकें। उन्होंने सभी से इस संबंध में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी पुस्तकों की सूची जिला प्रशासन की एनआईसी की वेबसाईट पर उपलब्ध है।ज्यादातर स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें प्रचलित हैं, ऐसी स्थिति में एनसीईआरटी की किताबों की कमी संभावित है, अत- इसमें एनजीओ से सहयोग आपेक्षित है। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेला में जरूरतमंद बच्चों के लिए बुक बैंक भी बनाई जाये, ताकि बच्चों को सहजता से पुस्तकें उपलब्ध हो सकें। साथ ही कहा कि एनजीओ बच्चों से पुरानी पुस्तकें लेकर जरूरतमंद बच्चों को आपस में बांटने में सहयोग करें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि वे स्वयं सेवी संगठनों को स्कूल बांट दें ताकि वे वहां जाकर पुस्तकों के निःशुल्क वितरण में वे अपना योगदान दे सकें। कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा कि इस बार पुस्तक मेला को अच्छी व्यवस्थाओं के साथ आकर्षक बनाया जायेगा। मेला को मेले के स्वरूप देने के लिये सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की जायेंगी। उन्होंने मेला को भव्य तथा मॉडल रूप में लाने के लिए समाज के सभी लोगों से बेहतर सहभागिता का आग्रह किया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आज रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए हैं- 1) 60 स्टेशनों पर स्थायी बाहरी 2डुद्बह्लद्बठ्ठद्द ड्डह्द्गड्ड

? 2024 के त्योहारों के दौरान, स्टेशनों के बाहर 2डुद्बह्लद्बठ्ठद्द ड्डह्द्गड्डह्य बनाए गए थे, जिससे सूरत, उधना, पटना और नई दिल्ली में भारी भीड़ को नियंत्रित किया जा सका। यात्रियों को केवल तब प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी गई जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आ गई।

? इसी तरह की व्यवस्था प्रयाग क्षेत्र के नौ स्टेशनों पर महाकुंभ के दौरान की गई थी।

? इन अनुभवों के आधार पर, हमने देशभर के 60 ऐसे स्टेशनों पर बनाने का निर्णय लिया है, जहां समय-समय पर भारी भीड़ होती है।? नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और पटना स्टेशनों पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो चुके हैं।

? इस व्यवस्था से अचानक आने वाली भीड़ को 2डुद्बह्लद्बठ्ठद्द ड्डह्द्गड्ड में नियंत्रित किया जा सकेगा और यात्रियों को केवल ट्रेन के आने पर प्लेटफॉर्म पर जाने दिया जाएगा, जिससे स्टेशन पर भीड़भाड़ कम होगी। ? इन 60 स्टेशनों पर पूरी तरह से प्रवेश नियंत्रण लागू किया जाएगा।

? केवल टिकट वाले यात्रियों को सीधे प्लेटफॉर्म तक जाने की अनुमति होगी। बिना टिकट यात्री या प्रतीक्षा सूची टिकट वाले यात्री बाहरी में रुकेंगे।

3) चौड़े फुट-ओवर ब्रिज (स्नह्रक्च)-

? 12 मीटर (40 फीट) और 6 मीटर (20 फीट) चौड़ाई वाले दो नए ह्यह्लड्डठ्ठस्रड्डह्स्र के फुट-ओवर ब्रिज डिज़ाइन किए गए हैं।

? ये चौड़े स्नह्रक्च और ह्म्ड्डद्वश्च महाकुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन में बहुत प्रभावी साबित हुए।

? इन नए चौड़े स्नह्रक्च को सभी स्टेशनों पर स्थापित किया जाएगा।

4) ष्टड्डद्वद्गह्म्ड्डह्य-

? महाकुंभ के दौरान भीड़ नियंत्रण में कैमरों की अहम भूमिका रही।? सभी स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी के लिए बड़ी संख्या में कैमरे लगाए जाएंगे।

? बड़े स्टेशनों पर 2डुह्व ह्म्श्शद्व विकसित किए जाएंगे।

? भीड़भाड़ की स्थिति में सभी विभागों के अधिकारी 2डुह्व ह्म्श्शद्व में कार्य करेंगे। 7) नए स्रद्गह्यद्बद्दठ्ठ के ढ्ढष्ठ ष्ड्डह्स्र-

? सभी स्टाफ और सेवा कर्मियों को नए स्रद्गह्यद्बद्दठ्ठ के ढ्ढष्ठ ष्ड्डह्स्र दिया जाएगा, जिससे केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही स्टेशन में प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

8) स्ह्लड्डद्घद्घ के लिए नई डिज़ाइन की ह्वठ्ठद्बद्घशह्म्द्व-

? सभी स्टाफ को नया डिज़ाइन ह्वठ्ठद्बद्घशह्म्द्व दी जाएगी ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में उन्हें आसानी से पहचाना जा सके।

9) ? सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक वरिष्ठ अधिकारी को स्टेशन निदेशक बनाया जाएगा। ? सभी अन्य विभाग स्ह्लड्डह्लद्बशठ्ठ ष्ठद्बह्म्द्गष्ह्लशह्म् को रिपोर्ट करेंगे।

' 'आर्थिक स्थिति बेहतर बनने से समाज में होगी महिलाओं की समान भागीदारी संभव''

महिलाओं का वित्तीय सशक्तिकरण विषय पर शक्तिभवन में सेमीनार का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शक्त?भवन स्थि?त केन्द्रीय ग्रंथालय में महिलाओं का वित्तीय सशक्त?करण विषय पर एक सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में सेबी व सलाहकार संगठन की टीम द्वारा महिलाओं का वित्तीय सशक्तिकरण की अवधारणा की जानकारी उपस्थि?त महिला अधि?कारियों व कार्मिकों को दी गई। इस अवसर मुख्य अति?थि? के रूप में पावर मैनेजमेंट कंपनी की सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक रीता खेत्रपाल, मीता मेहरोत्रा, महिला समिति की अध्यक्ष व पावर मैनेजमेंट कंपनी चि?कित्सालय की डा. अनिता वर्मा, उप महाप्रबंधक कविता तिवारी, प्रोग्रामर मीनल गुप्ता, चार्टर्ड अकाउंटेंट अमरीन खान, निशी जैन सहित अन्य महिला

अधि?कारी व कार्मिक उपस्थि?त थीं। वित्तीय विशेषज्ञ योगेश जॉली ने महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण विषय पर एक प्रजेन्टेशन देकर समझाया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए वित्तीय संसाधनों, ज्ञान और अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकें और समाज में समान रूप से उनकी भागीदारी संभव हो सके।

महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता क्यों है जरूरी-वित्तीय विशेषज्ञ योगेश जॉली ने सेमीनार में कहा कि महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि महिला के सम्पूर्ण जीवन में वित्तीय लक्ष्य और वित्तीय अनुशासन की आवश्यकता होती है। वित्तीय विशेषज्ञ ने बचत और निवेश के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि विवाह, सपनों का घर, सपनों की कार, छुट्टियाँ और रिटायरमेंट जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय लक्ष्यों के लिए बेहतर योजना कैसे बनायी जाए। सेमीनार में उपस्थि?त महिला कार्मिकों को स्वास्थ्य बीमा व व्यवस्थि?त निवेश योजना की जानकारी दी गई। वित्तीय सशक्तिकरण से लैंगिक समानता को बढ़ावा-सेमीनार की मुख्य अत?थि? रीता क्षेत्रपाल ने कहा कि महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण से लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलता है, क्योंकि महिलाएं समाज में समान रूप से भागीदारी करती हैं। महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। महिलाओं का वित्तीय सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है और समाज के विकास में भी योगदान कर सकता है। महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यशाला में उपस्थि?त महिला कार्मिकों ने केक काट कर हर्ष व्यक्त किया। उपस्थि?त महिला कार्मिकों को आयोजन समिति की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन लेखाधि?कारी आकृति अग्रवाल द्वारा किया गया।

विशेष हेल्थ स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन-अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी चिकित्सालय में महिलाओं के लिए विशेष हेल्थ स्क्रीनिंग का दो दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया जिसका बड़ी संख्या में विद्युत परिवार की महिलाओं द्वारा लाभ उठाया गया।

उच्च दाब लाइनों के संधारण में कार्य करने वाले कार्मिकों का भत्ता हुआ दोगुना

जबलपुर-। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश ट्रांसमिशन कम्पनी में अति उच्च दाब उप केन्द्रों एवं लाइनों का हॉट लाइन पद्धति से बिना शटडाउन लिये संधारण कार्य करने वाले कार्मिकों का विशेष भत्ता दोगुना कर दिया गया है। पहले जहाँ प्रति कार्य 3 रुपये से 60 रुपये मिलता था, अब 6 रुपये से 80 रुपये तक प्रति कार्य मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि हॉट लाइन पद्धति के माध्यम से बिना शटडाउन लाइनों का संधारण कार्य करने के लिये कार्मिक की सहमति आवश्यक है। साथ ही कम्पनी द्वारा उसे बैंगलुरु के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण से प्रशिक्षण दिलवाने के बाद ही वह कार्य के लिये पात्र होता है। कार्य अत्यंत जोखिम भरा होने के कारण कार्मिक को यह भत्ता दिया जाता है।

विज्ञान दिवस का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हितकारिणी देवताल महाविद्यालय में विज्ञान दिवस का आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल के आर्थिक सहयोग से आयोजित है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित नित्य निरंजन खपंरिया जी अध्यक्ष हितकारिणी सभा एवं पूर्व विधायक सिहोरा होंगे मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह संचालक कौशल विकास विभाग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजीनियर प्रभात दुबे सचिव महाकौशल विज्ञान परिषद श्री संदीप गोलछा जी सदस्य शासी निकाय उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम के अध्यक्षता शासी निकाय के अध्यक्ष पंडित शिवदत्त मिश्र जी करेंगे कार्यक्रम समन्वयक डॉ संगीता शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन 27 फरवरी से 8 मार्च तक दस दिवसीय से है जिसमें विभिन्न विद्यालय महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने रंगोली पोस्टर मॉडल निबंध प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता दी है आयोजन का उद्देश्य जनमानस तक विज्ञान को पहुंचना है

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोहलपुर में पंकज चौधरी उम्र 24 वर्ष निवासी चंडालभाटा शांतिनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पेंटिंग का काम करता है दिनांक 5-3-25 की शाम लगभग 7-30 बजे चंडालभाटा रविदास भवन के पास बैठा था तभी बीरू चौधरी आकर उससे शराब पीने के लिये 200 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो बीरू गाली गलौज करने लगा तथा पीठ में चाकू से मारपीट कर चोट पहुँचा दी एवं जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

स्पा सेंटर से निकली युवती ने बताया वहां का सच, कैसे मसाज के नाम पर चल रहा गंदा काम

स्पा सेंटर में मसाज की आड़ में देह व्यापार का खुलासा

पुलिस ने स्पा सेंटर में छापेमारी की और जांच शुरू की-युवती बोली- स्पा सेंटर के संचालक ने उसे धमकाया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश के जबलपुर में एक युवती ने पुलिस थाने पहुंचकर सनसनीखेज खुलासा किया है। युवती के खुलासे से स्पा सेंटर्स का काला सच सामने आ गया है। युवती का कहना है कि जब उसे स्पा सेंटर संचालक से सैलरी मांगी तो उसने कहा कि अगर तुम्हे सैलरी चाहिए तो तुम्हें ग्राहकों के साथ सेक्स करना होगा। युवती के खुलासे के बाद पुलिस ने स्पा सेंटर पर दबिश देकर कुछ युवकों को हिरासत में लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

सैलरी चाहिए तो ग्राहकों के साथ करना होगा वो

पुलिस के पास अपनी फरियाद लेकर पहुंची युवती असम की रहने वाली है जो शहर के ओमती थाना इलाके में संचालित एक स्पा सेंटर में काम करती है। युवती नशे की हालत में थाने पहुंची थी और उसने बताया कि स्पा सेंटर संचालक से जब उसने सैलरी की मांग की तो संचालक उस पर ग्राहकों के साथ सेक्स करने का दबाव बनाने लगा। उससे कहा कि सैलरी चाहिए तो कस्टमर के साथ सेक्स करना होगा। युवती ने ऐसा करने से मना कर दिया और शिकायत दर्ज कराने ओमती थाना पहुंची।

स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा

युवती के खुलासे के बाद पुलिस ने स्पा सेंटर पर छापा मारते हुए कुछ युवकों को पकड़ा है जिनसे पूछताछ की जा रही है। युवती के इस खुलासे से एक बार फिर स्पा सेंटर में सेक्स रैकेट चलाए जाने की बात सामने आई है। पहले भी कई बार स्पा सेंटर पर पुलिस के छापे में अनैतिक गतिविधियां पकड़ी गई हैं। इसके बावजदू शहर में स्पा सेंटर धड़ल्ले से चल रहे हैं।

बुधवार को युवती ने ओमती थाने में पहुंचकर जब आरोप लगाए तो पुलिस अधिकारी भी चौंक गए। तुरंत रेल पुल नंबर चार के पास संचालित रायल स्पा सेंटर में जाकर जांच की। इसी स्पा सेंटर में युवती काम करती थी।

10 दिन में ही हो गया विवाद

असम की रहने वाली 30 वर्षीय युवती चौथा पुल स्थित एक स्पा सेंटर में काम करती थी। उसने 10 दिन पूर्व ही वहां नौकरी करनी शुरू की थी। संचालक ने उसे 20 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देने का बोला था, लेकिन एक सप्ताह बाद ही उसका काम संतोषजनक नहीं होना बोलकर नौकरी से निकाल दिया। उसने जितने दिन काम किया, उसका भी पारिश्रमिक नहीं दिया गया।

युवती ने आरोप लगाया कि संचालक पहले अधिक वेतन देने का लालच देते हैं। फिर अनैतिक कार्य के लिए दबाव बनाते हैं। उनकी बात नहीं मानने पर नौकरी से निकाल देते हैं। संचालक के दबाव और मजबूरी में कई युवतियां गलत काम करने लग जाती हैं।

गिनाए अड्डे, सीसीटीवी कैमरे की क्षमता बताया

युवती ने आरोप लगाते हुए कई स्पा सेंटर के नाम गिनाए। इनमें मसाज की आड़ में देह व्यापार होना बताया। उसने आरोप लगाया कि स्पा सेंटरों के बाहर हाई रेज्यूलेशन वाले सीसीटीवी कैमरे लगे होते है। पुलिस या किसी संदिग्ध को दूर से आता देखकर सेंटर की लड़कियों को इधर-उधर कर दिया जाता है। इसलिए पुलिस पहुंचती है तो उन्हें वहां गड़बड़ समझ नहीं आती है। युवती का आरोप है कि पुराना बस स्टैंड के पास, चौथा पुल और कई अन्य स्पा सेंटर में आकर युवक और अधेड़ मोटी रकम खर्च करते हैं।

मसाज के नाम पर कई-कई घंटे तक रुकते हैं। स्पा सेंटर के संचालक काम करने वाली युवतियों को उपभोक्ता को संतुष्ट करने पर अतिरिक्त कमीशन का लालच भी देते हैं। इनके जाल में फंसकर कई युवतियों का जीवन बर्बाद हो गया है।

दुनिया छोड़ने से पहले दो लोगों को जिंदगी दे गए पूरनलाल, जबलपुर में बना ग्रीन कॉरिडोर

जबलपुर में बने दो ग्रीन कॉरिडोर, फ्लाइट से इंदौर भेजी किडनी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक बार फिर अंगदान की प्रक्रिया सफलता पूर्वक पूरी हुई। शुक्रवार को इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क हादसे में ब्रेन डेड हुए 56 वर्षीय व्यक्ति के स्वजनों ने उसकी किडनी डोनेट की हैं।

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने बताया की दो रिसीवर मिल गए हैं, जिन्हें किडनी की आवश्यकता है। उनसे दाता का ग्रुप मैच भी हो रहा है। इसे देखते हुए शुक्रवार को ग्रीन कॉरिडोर बनाने का निर्णय लिया गया। ब्रेन डेड मरीज पूरनलाल चौधरी की किडनी शुक्रवार को सुबह हार्वेस्ट की जाएगी। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सुबह 6~30 किडनी हार्वेस्ट करने की प्रक्रिया शुरू की। इनमें से एक किडनी जबलपुर के दमोहनाका स्थित एक अस्पताल में भर्ती किडनी के मरीज को प्रत्यारोपित की जाएगी। वहीं दूसरी किडनी इंदौर के एक अस्पताल में भर्ती मरीज को प्रत्यारोपित करने के लिए ले जाइ जाएगी।

शराब पीने के लिये रूपयों की मांग कर मारपीट करने वाले आरोपियों की तलाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बेलबाग में रात में विष्णु साउद उम्र 23 वर्ष निवासी हाथीताल महावीर कालोनी थाना गोरखपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्रतिदिन ब्यौहारबाग विशाल गेस्ट हाउस मोड़ पर शाम लगभग 4-30 बजे से रात लगभग 10 बजे तक मोमोस का ठेला लगाता है दिनांक 6-3-25 की शाम लगभग 7-15 बजे प्रतिदिन की तरह ब्यौहारबाग विशाल गेस्ट हाउस मोड़ पर रोड़ किनारे मोमोस का ठेला लगाया था उसके साथ में चाचा सुंदर साउथ भी उसकी मद्द कर रहे थे तभी रंजीत जाट अपने 2 साथियों के साथ आया और उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो तीनों उसके साथ गाली गलोज करने लगे रंजीत जाट ने चाकू से हमलाकर उसके वायें हाथ के पंजे में चोट पहुँचा दी तथा तीनों ने उसकी दुकान के सामने का कांच तोड़ दिया एवं मोमोस नीचे गिरा दिये तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 351(2), 324(4) 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

प्राणघातक हमला करने वाले आरोपियों की तलाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना सिविल लाईन में रात्रि में पुराना आरटीओ सिंघई पैलेस के पीछे वाले गेट के पास एक व्यक्ति को वाये जांघ के पास गोली लगने से उपचार हेतु हैदराबाद ओमेगा अस्पताल में भर्ती कराये जाने की सूचना पर पहुँची पुलिस को अभिषेक श्रीवास्तव उम्र 26 वर्ष निवासी आरती किराना घमापुर चौक थाना घमापुर ने बताया कि वह सेंट अलौयसिस कालेज सदर मे बीए की पढ़ाई कर रहा है अभिषेक पल निवासी पुराना

2 सटोरिये सट्टा लिखते रंगे हाथ पकड़े गये, नगद 21 हजार 90 रूपये जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी रांझी श्री मानस द्विवेदी ने बताया कि दिनांक 6-3-25 की रात्रि मुखबिर से सूचना मिली कि गोकलपुर सामुदायिक भवन के सामने पान के टपरे के पीछे शुभम मराठा नाम का व्यक्ति लोगों से रूपये लेकर अवैध रूप से सट्टा पट्टी लिख रहा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई गोकलपुर सामुदायिक भवन के सामने पान के टपरे के पीछे मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति लोगों से रूपये लेकर सट्टा पट्टी लिखते दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया, नाम पता पूछने पर अपना नाम शुभम मराठा उम्र 26 वर्ष निवासी घमापुर छुई मोहल्ला थाना बेलबाग बताया जिसके कब्जे से 4 नग सट्टा पट्टी, एक पेन, एक केलकुलेटर, एक ओप्पो कम्पनी का मोबाइल तथा नगदी 16 हजार 30 रूपये जप्त करते हुये सटोरिये के विरूद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

उल्लेखनीय भूमिका- सटोरिये को पकड़ने में प्रधान आरक्षक सुनील दुबे, आरक्षक प्रदीप नाईक, गौरव एवं सैनिक महेन्द्र की सराहनीय भूमिका रही। इसी प्रकार थाना प्रभारी कुण्डम श्री अनूप नामदेव ने बताया कि 6-3-25 की शाम मुखबिर से सूचना पर क्राईम ब्रांच एवं थाना कुण्डम की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर ग्राम खंदिया में इमलई रोड तरफदबिश देते हुये सट्टा लिख रहे व्यक्ति जो कि पुलिस को देख कर भागने लगा को घेरांबदी कर पकड़ा जिसने अपना नाम गरीबा चक्रवर्ती उम्र 68 वर्ष निवासी ग्राम खंदिया बताया तलाशी लेने पर सट्टा पट्टी पेन एवं नगदी 5 हजार 60 रूपये रखे मिला, आरोपी ने सट्टा लिखने के संबंध में पूछताछ पर रांझी जबलपुर निवासी सचिन शर्मा नाम के व्यक्ति के कहने पर सट्टा लिखना बताया जिसके एवज में सचिन शर्मा मजदूरी के रूप में 200 रूपये प्रतिदिन देता है बताया, आरोपी गरीबा चक्रवर्ती के कब्जे से सट्टा पट्टी की पर्ची तीन पेज, एक पेन तथा नगदी 5 हजार 60 रूपये जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट तथा 49 बीएनएस के तहत कार्यवाही करते हुये

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 550/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री रामकुमार सिंह, पिता- श्री देव सिंह** ने भवन क्रं. एम.जी.एफ./ 2 डी/ सी-73 पिन क्र. 1000491961 **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री राजेश पुरी गोस्वामी, पिता-श्री कोमल पुरी गोस्वामी, क्षेत्रफल 1614 व.फु., भूतल 600 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 549/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री संजीव कुमार जैन, पिता स्व.श्री राजकुमार जैन** ने भवन क्रं. 937/के. पिन क्र. 1000501257 का भाग **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री लोकेश जैन, पिता- स्व. श्री भागचंद जैन, क्षेत्रफल 735 व.फु., भूतल 100 व.फु. टीन शेड, **शपथपत्र, त्यागपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 548/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्रीमती मीना बाई उइके, पति- श्री चौधरी सिंह उइके, 2. श्री चौधरी सिंह उइके, पिता-स्व. श्री झंगलू सिंह उइके** ने भवन क्रं. एल.आई.जी.- 796 पिन क्र. 1000496783 **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री देवेन्द्र सिंह, पिता- स्व. श्री प्रेम सिंह, क्षेत्रफल 452 व.फु., भूतल 300 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 547/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री नीरज रजक, पिता- श्री किशोर रजक** ने भूखंड क्रं. 14 पिन क्र. 1004331113 **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री कन्छेदी लाल झारिया, पिता- श्री रामभगत झारिया, क्षेत्रफल 720 व.फु., भूतल 720 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 546/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री महेन्द्र शेजव, पिता- श्री नारायण शेजव** ने भवन क्रं. 360 पिन क्र. 1000507284 **वार्ड क्र. 05, वार्ड सरदार वल्लभ भाई पटेल,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री एन.एस. सेजा, पिता- सूर्यभान सेजा, क्षेत्रफल 3500 व.फु., भूतल 1778 व.फु., प्रथमतल 520 व.फु., द्वितीयतल 150 व.फु., **त्यागपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 545/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्री मंगेश डबली, पिता- स्व. श्री मनोहर राव डबली, 2.श्रीमती मुक्ता डबली, पति- श्री मंगेश डबली,** ने भूखंड क्रं. 17 पिन क्र. 1002947412 **वार्ड क्र. 01, वार्ड गढ़ा,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) कु. कामिनी परिहार, पिता- स्व. श्री वेद प्रकाश परिहार, क्षेत्रफल 648 व.फु., भूतल 648 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 50 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 544/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री दुर्गा सिंह लोधी, पिता- श्री भागीरथ सिंह** ने भवन क्रं. ई.डब्ल्यू.एस./176/पी-30ए पिन क्र. 1000597766 **वार्ड क्र. 01, वार्ड गढ़ा,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री मुकेश काशिव,पिता-स्व. श्री बी.एल. काशिव, क्षेत्रफल 770 व.फु., भूतल 600 व.फु., प्रथमतल 600 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 543/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती सोनम तिवारी, पति-श्री नीलाय कुमार तिवारी** ने भवन क्रं. 972 पिन क्र. 1000500977 **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री प्रमोद कुमार वैश्य, पिता- श्री राम स्वरूप वैश्य, क्षेत्रफल 2800 व.फु., भूतल 1248 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 487/ 2024/2025 दिनांक 14.02.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती बिन्दु बैरागी, पति- श्री सी.एल. बैरागी,** ने भूखंड क्रं. 05 पिन क्र. 2000013070 **वार्ड क्र. 03, वार्ड त्रिपुरी,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री नीतेश पाण्डेय, पिता- श्री गोपाल प्रसाद पाण्डेय, क्षेत्रफल 999 व.फु., भूतल 1000 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 800 व.फु.आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025
एम. 542/ 2024/2025 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **का. श्री सागर ताम्रकार, पिता- श्री राकेश ताम्रकार** ने भवन क्रं. 741/1 पिन क्र. 1000502136 **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती जानकी बाई, पति- श्री सुदामा प्रसाद ताम्रकार, भूतल 440 व.फु. कच्चा , **मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग-1 गढ़ा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं. -116, सं.अधि./ रांझी/10 / 2024-25 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री घनश्याम दास दरयानी, पिता- स्व. श्री सनमुख दास दरयानी** ने मकान नं. 1515 पिन नं. 1001973753 **वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड,** भूतल 1125 व.फु. **आधार कार्ड, विक्रयपत्र, खसरा,** के आधार पर नगर निगम के कम्प्यूटर रिकार्ड में दर्ज भवन स्वामी- श्रीमती रश्मि चौबे, पति- श्री अनिल चौबे, मकान नं. 1515 पिन नं. 1001973753 द्वारा प्रदत मकान नम्बर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया जाता है। अत: जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं. -115, सं.अधि./ रांझी/10 / 2024-25 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री अशोक कुमार कुशवाहा, 2. पुष्पलता कुशवाहा, 3. मंजूलता कुशवाहा, 4. चारूलता कुशवाहा, सभी के पिता- स्व. श्री जी.डी.कुशवाहा** ने मकान नं. 3400/49-ई-285 पिन नं. 1000699794 **वार्ड शहीद भगत सिंह वार्ड,** भूतल 520 व.फु. प्रथमतल 390 व.फु., **आधार कार्ड, शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत विक्रयपत्र, जे.डी. आदेश** के आधार पर नगर निगम के कम्प्यूटर रिकार्ड में दर्ज भवन स्वामी- श्री संजीव कुमार, पिता- स्व. श्री जी.डी. कुशवाहा, मकान नं. 3400/49-ई- 285 पिन नं. 1000699794 द्वारा प्रदत मकान नम्बर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया जाता है। अत: जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं. -114, सं.अधि./ रांझी/10 / 2024-25 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री अशोक कुमार कुशवाहा, 2. पुष्पलता कुशवाहा, 3. मंजूलता कुशवाहा, 4. चारूलता कुशवाहा, सभी के पिता- स्व. श्री जी.डी.कुशवाहा** ने मकान नं. 3400/50-ई-284 पिन नं. 1000699671 **वार्ड शहीद भगत सिंह वार्ड,** भूतल .... व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल .... व.फु. आर.सी.सी. , **आधार कार्ड, शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम के कम्प्यूटर रिकार्ड में दर्ज भवन स्वामी- श्री जी.डी. कुछवाहा,पिता- श्री रामलोचन कुशवाहा, मकान नं. 3400/50-ई- 284 पिन नं. 1000699671 द्वारा प्रदत मकान नम्बर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया जाता है। अत: जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं. -113, सं.अधि./ रांझी/10 / 2024-25 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती गुरचरण कौर, पति-स्व. श्री हरजीत सिंह, 2. श्री गुरप्रीत सिंह भट्टी, 3. श्री सुमित सिंह भट्टी, दोनों के पिता- स्व. श्री हरजीत सिंह** ने मकान नं. 2941/2 का भाग पिन नं. 1000601029 का भाग **वार्ड चन्द्रशेखर आजाद वार्ड,** भूतल 758 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 690 व.फु. आर.सी.सी. , **आधार कार्ड, शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, बटवारानामा, खसरा,** के आधार पर नगर निगम के कम्प्यूटर रिकार्ड में दर्ज भवन स्वामी- श्री इकबाल सिंह, पिता- स्व. श्री भगवान सिंह मकान नं. 2941/2 का भाग पिन नं. 1000601029 का भाग द्वारा प्रदत मकान नम्बर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया जाता है। अत: जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/
एम/306 जबलपुर दिनांक 05.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती योगनी साहू, पति- श्री सचिन कुमार साहू** ने ई.डब्ल्यू.एस. 3434/यूनिट नं. 418 **वार्ड पं. दीनदयाल उपाध्याय** पिन नं. 1000351154, क्षेत्रफल 800 व.फु., भूतल 480 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 /
एम./ Q 423 दिनांक 07.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री प्रहलाद पटेल, पिता- स्व. श्री लक्ष्मण प्रसाद पटेल** ने मकान नं. 436 सम्पत्ति पिन नं. 1000487935 **वार्ड वीर सावरकर वार्ड ,** भूतल 660 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 /
एम./ Q 422 दिनांक 07.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती माया चौरसिया, पति श्री राजेश चौरसिया** ने मकान नं. प्लाट नं. 7 सम्पत्ति पिन नं. 1000626038 **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** क्षेत्रफल 724 व.फु., भूतल 724 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999